जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 15 संख्याः 355 प्रभात चूरू, बुधवार 24 अप्रेल, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ठंडी हवाओं वाले तापमान में जीवन के साथ एडजस्ट करना आर्कटिक सील्स के सरवाइवल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह बात तो सभी जानते हैं कि, ठंडे मौसम में अनुकूलन के लिए इन जानवरों के शरीर पर चरबी की मोटी-मोटी परतें होती हैं, लेकिन अब पता चला है कि, इन जानवरों की नाक की विशेष संरचना भी अनुकूलन में इनकी मदद करती है। हाल ही में हुए एक शोध में पता चला है कि, हल्के तापमान में रहने वाली सील्स की तुलना में आर्कटिक सील्स की नाक के पैसेज (मार्ग) अधिक घुमावदार होते हैं। बायोफिज़िकल जर्नल में प्रकाशित शोध के अनुसार, ठंडे और शुष्क क्षेत्रों में जानवर जब सांस लेते हैं तो उनके शरीर की नमी और गर्मी कम हो जाती है। फेफड़ों को अच्छी तरह काम करने के लिए कुछ गरम और आद्र हवा की ज़रूरत होती है, इसलिए ठंडी हवा में सांस लेना फेफड़ों के लिए खतरा हो सकता है। इस खतरे को कम करने के लिए अधिकतर पक्षी और जानवर प्रजातियों की नेज़ल कैविटीज़ (नाक की गुहिका) में "कॉम्प्लैक्स बोन्स" (जटिल हड्डियाँ) होती हैं जिन्हें "मैक्सिलोटर्बिनेट्स" कहते हैं। ये पोरस (छिद्रित) हड्डियाँ म्यूकस (कफ, बलगम) और टिशू से ढकी होती हैं जो कि सांस के साथ अंदर जाने वाली हवा को गर्म और नम करते हैं। बाहर छोड़ी गई सांस के साथ गर्मी और आर्द्रता में कमी आती है और मैक्सिलोटर्बिनेट्स गर्मी और आर्द्रता के इस ह्रास को कम करती हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि, नाक की ये संरचनाएं सांस लेते और छोड़ते समय नमी और गर्मी को बनाए रखने में आर्कटिक सील्स की मदद करती हैं। नॉर्वेजियन युनिवर्सिटी ऑफ साइन्स एण्ड टैक्नॉलजी में फिज़िकल कैमिस्ट्री की प्रोफेसर तथा शोध की सहलोखक, सिन्या शैल्ब्रुप ने एक वक्तव्य में कहा, "नेज़ल कैविटीज़ में इस जटिल संरचना के कारण, एक से वातावरण में भी, सब ट्रॉपिकल सील्स के मुकाबले आर्कटिक सील्स में सांस लेते और छोड़ते समय गर्मी का ह्रास कम होता है। इससे आर्कटिक सील्स को इवोल्यूश्नरी एडवांटेज (विकासवादी लाभ) मिलता है। शैल्ब्रुप के अनुसार सांस लेते और छोड़ते समय आर्कटिक सील्स हवा की 94 प्रतिशत नमी को बरकरार रखती हैं।

कांग्रेस का मानना है, प्रथम चरण की वोटिंग के बाद प्र.मंत्री रक्षात्मक मुद्रा में आ गये

'यह ही कारण है कि, इस बार 400 पार का नारा दो तीन दिन में नेपथ्य में चला गया है'

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। वर्तमान में चल रहे लोकसभा चुनावों में एक नया "ट्विस्ट" आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा ने "400 पार" का नारा नेपथ्य में डाल दिया है जिसे अब तक वो नियमित रूप से इस्तेमाल कर रहे थे। पिछले दो दिनों से प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषणों में इस नारे का इस्तेमाल नहीं किया है। कांग्रेस खेमे का तो यह भी प्रचार है कि, भाजपा केवल अपने मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को उत्साहित व संगठित करने के लिए इसका उपयोग कर रही थी। तथा इसे गंभीरता से लेने की तो बात ही नहीं थी। लेकिन इसका विपरीत असर हुआ है। भाजपा कार्यकर्ता अपने घर बैठ गया है और आर.एस.एस. कार्यकर्ताओं पर भी यही बात लागू होती है।

- **साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि, प्रथम चरण के मतदान के बाद, प्र.मंत्री मोदी ने अचानक व गुप्त यात्रा की नागपुर की और संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की, हालांकि, गत दस वर्ष में प्र.मंत्री मोदी ने भागवत से कोई खास मुलाकात व बातचीत नहीं की थी।**
- **कांग्रेस खेमे का तो यह भी प्रचार है कि, अबकी बार 400 पार के नारे का उपयोग तो केवल भाजपा व संघ के कार्यकर्ता का मनोबल ऊँचा रखने के लिए था, तथा कभी भी इसे गंभीरता से लेने की तो बात ही नहीं थी।**

विपक्ष ने भाजपा के इस नारे का उपयोग इस बात पर जोर देने के लिए किया कि, भाजपा संविधान को बदलना चाहती है तथा देश में प्रजातंत्र को खत्म करना चाहती है।

यह संदेश वायरल हो गया है तथा प्रधानमंत्री को एक रैली में स्पष्टीकरण देना पड़ा कि, संविधान को बदलने का कोई सवाल ही नहीं है तथा स्वयं अंबेडकर भी ऐसे परिवर्तन नहीं कर सकते।

क्या भाजपा और प्रधानमंत्री रक्षात्मक मुद्रा में हैं?

क्या भाजपा संकट में है?

सत्ता के नजदीक सूत्रों का कहना है- हाँ।

मतदान के पहले चरण के बाद परिणाम यह था कि, नरेन्द्र मोदी ने नागपुर की तुरन्त तथा बहुत गोपनीय यात्रा की, आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत से मिलने के लिये, जिन्हें उन्होंने गत 10 वर्ष से किनारे कर रखा था तथा नज़र अदांज किया हुआ था। इस अवधि में वे न तो भागवत से मिल रहे थे न ही वार्तालाप कर रहे थे।

चूँकि वे आर.एस.एस. के "बॉस" ही नहीं, बल्कि मोदी के भी "बॉस" हैं, अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान जब राम मंदिर का उद्घाटन हो रहा था, उन्हें एक साइड में बैठाया गया था।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में कम मतदान ने मोदी को विचलित कर दिया है तथा भाजपा के समीक्षकों का कहना है कि, यदि यह प्रवृति इस तरह आगे चली तो यह नरेन्द्र मोदी के लिये बड़ा संकट बन सकती है।

स्तब्ध हैं तृणमूल कांग्रेस के नेता भी, ममता बनर्जी की भाषा व भद्दे शब्दों के उपयोग से

क्या सार्वजनिक भाषण व बातचीत में "अशोभनीय" भाषा का प्रयोग ममता बनर्जी की कुण्ठा व हताश होने की निशानी है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रैल। अत्यधिक खेदजनक बात है, ममता बनर्जी बंगाल की राजनीतिक भाषा को बहुत ही भद्दे और निचले स्तर तक ले गई हैं।

अभी तक कोई सोच भी नहीं सकता था, लेकिन ममता बनर्जी ने एक चुनावी भाषण में मंच से पुरूष जननांग की बात करते हुए अत्यंत अशिष्ट भाषा का उपयोग किया। उसके बाद से उनके भाषण का वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर खूब सर्कुलेट हो रहा है तथा और भी अश्लील कमैन्ट्स के साथ वायरल हो गया है।

यह केवल एक घटना नहीं थी। समय-समय पर चुनावी मंच से वो अपने भाषणों में इस तरह की अशिष्ट भाषा का प्रयोग करती रही हैं, जिनमें से कुछ पर उन्हें स्वयं भी खेद हुआ है। अब यह उनके बोलने का तरीका हो गया है।

- **इस संदर्भ में नवीनतम है, शिक्षा विभाग द्वारा की गयी हजारों नियुक्तियों को, गलत व भ्रष्टाचार में लिप्त मानते हुए हाई कोर्ट द्वारा रद्द करना।**
- **ममता बनर्जी बाध्य हैं, हाई कोर्ट के आदेश की अनुपालना करने के लिये, पर, दूसरी ओर जनता के समक्ष भ्रष्टाचार का पर्दाफाश काफी अटपटी स्थिति पैदा कर रहा है तथा मध्यम वर्ग भी अब संदेह व संशय की दृष्टि से देख रहा है, तृणमूल सरकार के दस साल के शासन को।**

कुछ सम्मानित राजनीतिज्ञ खुलेआम ममता बनर्जी की पारिवारिक पृष्ठभूमि तथा उनके संस्कारों की बात कर रहे हैं। बंगाल के "भद्रलोक" सोशल सर्कल में इस तरह की भाषा का प्रयोग सख्ती से निषिद्ध है। ममता द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्दों को परिवार के बीच बोला भी नहीं जा सकता।

लेकिन पिछले कुछ समय से उनके भाषण तथा भाषा लगातार और भद्दी और असामाजिक होती जा रही है। प्रतिद्वंदी राजनीतिक पार्टियों तथा नेताओं ने इसकी निंदा भी की है लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा है। उनके भाषणों की भाषा भद्दी से भद्दी होती जा रही है।

निजी तौर पर, लंबे समय से उनके सहयोगी रहे नेताओं ने भी स्वीकार किया है कि, आपस में बात करते हुए भी वो अपमानजनक भाषा का प्रयोग करती हैं। जो लोग उनको छोड़कर जा चुके हैं, वो अब उनके बुरे गुस्से और "भद्दी" भाषा को याद कर रहे हैं। शायद उनकी भाषा शैली उनकी निराशा के अनुरूप बदलती जा रही है। क्योंकि, वो हर तरफ से अपने आपको घिरा हुआ महसूस कर रही हैं तथा उनकी तृणमूल कांग्रेस प्रभावी पार्टी के रूप में उभरेगी, इस बात की संभावनाएं क्षीण होती जा रही हैं, जिससे उनका संतुलन भी प्रभावित हो रहा है।

स्कूलों में टीचरों की नियुक्तियों को लेकर अदालत के नवीनतम आदेश ने भारी गड़बड़ी पैदा कर दी है। स्कूल टीचरों की नियुक्ति पर कल के कोर्ट के आदेश ने भारी अव्यवस्था पैदा कर दी है। वो अदालत के आदेश की क्रियान्विति को टाल नहीं सकतीं ना ही टीचरों की बर्खास्तगी को रोक सकती हैं। इसके साथ ही, कई ऐसे योग्य प्रत्याशी हैं जिनकी नियुक्तियाँ वास्तविक हैं, वो भी प्रभावित हुए हैं। वृहद् स्तर पर हुए भ्रष्टाचार तथा आवेदकों से वसूले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बसपा पर भाजपा की "बी टीम" को टिकट देने का आरोप

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रैल। बसपा सांसद दानिश अली, जो उत्तर प्रदेश में अमरोहा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए दल बदलकर कांग्रेस में शामिल हो गए, ने मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती पर आरोप लगाया कि, वे अपनी पार्टी का टिकट "भाजपा की बी टीम" को दे रही हैं।

अमरोहा में आयोजित एक जनसभा में उन्होंने दावा किया कि, बसपा के प्रत्याशियों का चुनावों के लिए

- **बसपा छोड़ कांग्रेस में आये सांसद दानिश अली ने एक रैली में यह आरोप लगाया।**

चयन भाजपा ने किया है। उन्होंने जोर देकर यह भी कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी 19 अप्रैल को सम्पन्न हुए प्रथम चरण के चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन से काफी निराश हैं।

दानिश ने प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाया कि, चुनावों में उनकी (दानिश) पराजय सुनिश्चित करने के लिए मोदी ने ऐड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। दानिश ने यह भी कहा कि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो सप्ताह में चौथी बार अमरोहा आ रहे हैं, और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनावी नारों की यात्रा भी कम रोचक नहीं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। "अबकी बार 400 पार" के भाजपा के नारे का असाधारण पहलू यह है कि, पिछली बार के विपरीत इस बार का नारा किसी एक व्यक्ति अथवा पार्टी की राजनीतिक विचारधारा के इर्द-गिर्द केन्द्रित प्रतीत नहीं होता। पूर्व में राजनीतिक पार्टियों के थीम स्लोगन शक्तिशाली राजनीतिक संदेश दिया करते थे। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने एक लोकप्रिय नारा दिया था "तिलक तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चारा" वर्ष 2017 में जब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) ने उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव पूर्व गठबंधन किया था, तब ऐसे होर्डिंग्स और पोस्टर्स लगाए गए थे, जिन पर राहुल गांधी और अखिलेश यादव की तस्वीरें थीं और साथ ही ये संदेश थे- "यू.पी. को यह साथ पसन्द है" और "यू.पी. के लड़के।" वर्ष 2011 में जब लालू यादव और नीतीश कुमार एकजुट हुए थे, तब पटना की गलियों में लगे पोस्टर्स पर लिखा था, "बिहार में बहार है, फिर से नीतीश कुमार है।" कुछ अन्य आकर्षक नारों में आम आदमी पार्टी (आप) का दिल्ली का यह आकर्षक नारा, "अच्छे बीते पाँच साल, लगे रहो केजरीवाल" और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का यह नारा "मां, माटी, मानुष", शामिल हैं। लोकसभा चुनावों में भी राजनीतिक मैसेज या तो व्यक्तित्व केन्द्रित अथवा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **बसपा ने अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरूआत में "तिलक, तराजू और तलवार इनको मारो जूते चार" से की थी।**
- **2017 में कांग्रेस व सपा ने "प्री-पोल अलायंस" (मतदान पूर्व गठबंधन) किया था, विधानसभा चुनाव में तथा नारा प्रचलित हुआ था, "यू.पी. को यह साथ पसंद है"।**
- **2011 में जब लालू यादव व नीतीश कुमार ने मिलकर चुनाव लड़े थे, पटना में यह नारा सड़कों पर पोस्टर के रूप में छाया हुआ था, "बिहार में बहार है, फिर से नीतीश कुमार है।"**
- **आम आदमी पार्टी का नारा था, "अच्छे बीते पांच साल, लगे रहो केजरीवाल"।**
- **तृणमूल का प्रारंभिक नारा था, "मां, माटी मानुष"।**
- **2004 में कांग्रेस का नारा था, "कांग्रेस का हाथ, आम आदमी के साथ", 2009 में कांग्रेस का नारा था, "आम आदमी के बढ़ते कदम, हर कदम भारत बुलंद", 1996 में भाजपा का लोकप्रिय नारा था, "बारी-बारी सबकी बारी अब की बारी अटल बिहारी"।**
- **1989 में वी.पी. सिंह के लिये लिखा गया नारा, शायद सबसे लोकप्रिय नारा रहा, "राजा नहीं फकीर है, देश की तकदीर है"।**

सबसे अमीर उम्मीदवार

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। लोकसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण का मतदान आगामी 26 अप्रैल को है। इसके बाद पांच और चरणों के लिए वोट डाले जाएंगे और 4 जून को काउंटिंग होगी। इस वक्त तमाम दल और नेतागण चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि, इस लोकसभा

- **टी.डी.पी. उम्मीदवार पेमासनी चंद्रशेखर ने अपने परिवार की कुल संपति 5785 करोड़ बताई है। इस हलफनामे के साथ ही वह देश के सबसे अमीर उम्मीदवार बन गए हैं।**

चुनाव में देश का सबसे अमीर उम्मीदवार कौन है?

टी.डी.पी. उम्मीदवार पेमासनी चंद्रशेखर ने अपने परिवार की कुल संपति 5785 करोड़ बताई है। इस हलफनामे के साथ ही वह देश के सबसे अमीर उम्मीदवार बन गए हैं।

'आंध्र से 42 सांसद हैं, पर एक कैबिनेट मंत्री, गुजरात से 26 सांसद पर 6 कैबिनेट मंत्री, यू.पी. से भाजपा के 62 सांसद हैं, पर 12 कैबिनेट मंत्री'

तेलंगाना के मु.मंत्री रैवन्त रेड्डी ने "साऊथ इण्डिया" के साथ हो रहे अन्याय की लम्बी सूची गिनायी, भाजपा पर उत्तर व दक्षिण भारत के बीच खाई उत्पन्न करने का आरोप लगाया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। रैवन्त रेड्डी एक ऐसी पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने वर्ष 1947 के बाद से, जब पंडित जवाहर लाल नेहरू के देश के प्रथम प्रधानमंत्री बने थे, पांच दशकों तक देश पर राज किया था। लेकिन रेड्डी ने केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी के "हिंदी, हिन्दुस्तान, हिन्दुत्व" दृष्टिकोण को लेकर प्रश्न करने शुरु कर दिए हैं। वे इस पर जोर दे रहे है कि, नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से भाजपा दक्षिण भारत की उपेक्षा करती रही है।

यह शायद दक्षिण भारत से कांग्रेस की सबसे मजबूत आवाज़ है। तेलंगाना में मजबूत मानी जाने वाली भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) एवं उसके प्रमुख, तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव को विषम परिस्थितियों में हराकर कांग्रेस अब नए जोश में है। तेलंगाना के विधानसभा चुनावों के कुछ हफ्तों पहले तक तो चन्द्रशेखर राव को हराना असंभव माना जा रहा था।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री एम. रैवन्त रेड्डी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत आर.एस.एस. की छात्र इकाई, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से की थी। रेड्डी के तेवर उग्र हैं। वे भाजपा और हिंदी भाषी राज्यों के नेताओं की आलोचना करते हुए कहते हैं कि, संसद में अपनी शक्ति के असंगत अनुपात के बावजूद ये लोग सत्ता का मजा ले रहे हैं, जबकि संसद के तेलुगू भाषी सदस्यों की उपेक्षा की जा रही है।

- **मु.मंत्री रेड्डी के अनुसार भाजपा "नॉर्थ-साउथ डिवाइड" का फॉर्मूला भाजपा के संगठन में नियुक्तियों के समय भी करती है। रेड्डी ने कहा, पार्टी में भी दक्षिण भारत के भाजपा नेताओं को एक हद तक ही बढ़ने दिया जाता है और रिटायर कर दिया जाता है। उदाहरण के लिये वैंकैया नायडू व राम माधव का नाम लिया जा सकता है।**
- **रेड्डी के अनुसार, इसी कारण से भाजपा दक्षिण भारत की 130 सीटों में इस बार बीस से भी कम सीटों पर जीत पायेगी।**
- **मु.मंत्री रैवन्त रेड्डी ने राजनीतिक जीवन की शुरूआत, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से की थी।**

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना, दोनों राज्यों से कुल 42 सांसद निर्वाचित होकर लोकसभा जाते हैं और दोनों ही राज्यों को मिलाकर वर्तमान में केवल एक सांसद केन्द्र सरकार में कैबिनेट मंत्री है और वो हैं भाजपा के जी. किशन रेड्डी। गुजरात में लोकसभा की कुल 26 सीटें हैं, लेकिन प्रधानमंत्री, गृह मंत्री के अलावा छह कैबिनेट मंत्री वहां से हैं। उत्तर प्रदेश से भाजपा के 62 सांसद हैं, लेकिन केन्द्र सरकार में वहां से 12 कैबिनेट मंत्री है। रेड्डी अपनी शिकायत के समर्थन में तथ्य प्रस्तुत करते हुए कहते हैं कि, "हिन्दी भाषी राज्यों ने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, रक्षा मंत्री और कई अन्य महत्वपूर्ण संवैधानिक पद हथिया लिए हैं।"

उनका आरोप है कि, भाजपा अपने कार्यों से देश में उत्तर-दक्षिण विभाजन की भावना पैदा कर रही है। बात जब कैबिनेट मंत्री एवं महत्वपूर्ण पदों की करें तो, भाजपा ने ना केवल दक्षिण भारतीय राज्यों की उपेक्षा की है, बल्कि सूखा राहत या प्रोजैक्ट्स की पर्यावरणीय मंजूरी के मामले में भी वह दक्षिण भारतीय राज्यों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है।

तेलंगाना में कांग्रेस के इस सशक्त नेता ने पिछले दो दिनों में मीडिया को दिए गए साक्षात्कारों में कहा कि, भाजपा के भीतर भी दक्षिण भारतीय नेताओं को एक सीमा से अधिक आगे बढ़ने की अनुमति नहीं है। उन्होंने इस संदर्भ में वेंकैया नायडू और राम माधव का नाम विशेषतौर पर लिया। उन्होंने कहा कि,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'यह राष्ट्र और संविधान बचाने का चुनाव है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को एक बार फिर कहा कि, वर्तमान लोकसभा चुनाव सिर्फ नई सरकार चुनने के लिए नहीं है, बल्कि देश व भारत का संविधान बचाने के लिए है।

ट्विटर पर एक पोस्ट में उन्होंने

- **राहुल गांधी ने यह भी कहा कि, सूरत ने राष्ट्र के सामने तानाशाही की तस्वीर पेश की।**

कहा कि, गुजरात के शहर सूरत ने एक बार फिर देश के सामने तानाशाही की एक तस्वीर प्रस्तुत की है।

उन्होंने कहा, बाबा साहब अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान को खत्म करके, अपना नेता चुनने के लोगों के अधिकार को छीनने का यह एक और कदम है।

विचार बिन्दु

पूरे यत्न से इतिहास की रक्षा करनी चाहिए, इतिहास और अपना प्राचीन गौरव नष्ट कर देने से विनाश निश्चित है। –महाभारत

अवैध खनन पर ऑडिट रिपोर्ट क्या शासन को जगा पाएगी?

खनिज मूल्यवान प्राकृतिक संसाधन हैं मगर वह ऐसी संपदा है जो सीमित है और जिसे फिर से नहीं बनाया जा सकता। इसलिए उसका खनन बड़ी सावधानी से किया जाना अपेक्षित होता है। यही कारण है कि खनन गतिविधियों पर राज्य नियंत्रण के कड़े कानून होते हैं। मगर जब राजका तंत्र भ्रष्टाचार में डूब जाए तब खनन माफियाओं की बन आती है। राजस्थान में 81 प्रकार के खनिज पाए जाते हैं जिनमें से 57 का व्यावसायिक दोहन अभी किया जा रहा है। बहुतों को यह जान कर आश्चर्य होगा कि देश में सर्वाधिक खनन पट्टे राजस्थान में हैं। इसके बावजूद माइनिंग से राजकोष को पूरा राजस्व नहीं मिलता है क्योंकि उसका बड़ा हिस्सा कार्यपालिका की लापरवाही व भ्रष्टाचार से छीजत में चला जाता है। खनिज विभाग के नवीनतम वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन के अनुसार विभाग पिछले वर्षों में राजस्व के वार्षिक लक्ष्य कभी प्राप्त नहीं कर पाया है। राजस्व के लक्ष्य और प्राप्ति के बीच अंतर साल-दर साल बढ़ता ही गया है। इसका एक बड़ा कारण चहुं ओर फैला भ्रष्टाचार है जिसके चलते अवैध खनन को रोकने और रॉयल्टी की चोरी पर प्रभावी नियंत्रण करने में राज्य पूरी तरह असफल नज़र आता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2017-18 में 4,900 करोड़ रुपयों के वार्षिक लक्ष्य के मुकाबले 4,521.52 करोड़ रुपये की ही आय हुई, जबकि 2016-19 में छह हजार करोड़ रुपये के मुकाबले 5,301.48 करोड़ रुपये ही मिले। इसके अगले साल 6,600 करोड़ रुपयों की आय के लक्ष्य के मुकाबले 4,579.09 करोड़ रुपये, 2020-21 में सात हजार करोड़ रुपयों के मुकाबले 4,965.47 रुपये और 2021-22 में दिसंबर 2021 के अंत तक 7,100 करोड़ के मुकाबले 4,159.12 करोड़ रुपये ही मिल पाए थे। यह हाल तब है जब अवैध खनन को रोकने के लिए खनिज विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के अलावा संबंधित जिला कलेक्टर, एसडीएम तथा तहसीलदार के अलावा उप वन संरक्षक के अधीन क्षेत्रीय वन अधिकारी एवं एसडीआरआई के रेवेन्यू इंटेलिजेंस ऑफिसर को भी अधिकार दिए हुए हैं। भारत सरकार के आईबीएम विभाग के माइनिंग सर्विलियांस सिस्टम (एमएसएस) के जरिए सैटेलाइट इमेजरी तकनीक से प्रधान एवं अप्रधान खनन पट्टों के 500 मीटर की परिधि में अवैध खनन के ट्रिगर पॉइंट भी राज्य के खनिज विभाग को भेजे जाते हैं। मगर कार्यवाही नहीं होती। खनिजों के बड़े पैमाने पर अवैध खनन की खबरें समाचार माध्यमों में तो अक्सर आती रहती हैं, लेकिन खुद खान विभाग ने भी वर्ष 2015-16 से 2019-20 के दौरान अवैध खनन के 48,486 मामलों की पहचान की। यह आंकड़ा इस दौरान अवैध खनन के मामलों में 169 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। भारत के नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक (सीएजी) ने इसका आकलन करने के लिए एक विशेष ऑडिट किया। ऑडिट का दायरा अवैध खनन गतिविधियों का पता लगाने और विभाग द्वारा शुरू की गई उपचारात्मक कार्रवाई के लिए तंत्र की जांच करना था। सीएजी ने अवैध खनन के मामलों की जांच के लिए विभाग के पास संसाधनों की उपलब्धता के सवाल का समाधान करने का भी प्रयास किया। इस विशेष ऑडिट में 'गूगल अर्थ प्रो' के माध्यम से रीमोट सेंसिंग डेटा और जीआईएस तकनीक का उपयोग भी किया गया। खदानों और अवैध खनन स्थलों के संयुक्त भौतिक सत्यापन के साथ-साथ राज्य भर में 12 खनन कार्यालयों के रिकॉर्ड की जांच की गई। ऑडिट ने इन चयनित कार्यालयों में खनन पट्टे के क्षेत्र से बाहर अवैध खनन के क्षेत्र का पता लगाने के लिए रिकॉर्ड और उपग्रह चित्रों के माध्यम से एक स्वतंत्र अध्ययन किया।

सीएजी की रिपोर्ट बताती है कि विभाग ने अवैध खनन गतिविधियों की पहचान करने और उन पर अंकुश लगाने के लिए सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध निःशुल्क तकनीकों का लाभ नहीं उठाया। ऑडिट में खनिज पट्टों की ओवरलैपिंग और पट्टों के बीच अंतराल वाले क्षेत्रों के आवंटन या नीलामी न होने जैसी अनियमितताएं सामने आईं। स्पष्ट तौर पर संबंधित अधिकारियों द्वारा खानों के अपर्याप्त निरीक्षण का परिणाम है कि इन अनियमितताओं की पहचान नहीं हो सकी। रिमोट सेंसिंग डेटा और जीआईएस तकनीक के उपयोग से सीएजी ने 122 मामलों (परीक्षण जांच किए गए पट्टों का 34 प्रतिशत) में अवैध खनन गतिविधियों की पहचान की, कुल 49 डिवीजनों में से पांच चयनित डिवीजनों के तहत पांच चयनित तहसीलों में स्वीकृत खनन पट्टों की पहचान की और अवैध खनन का 83.25 हेक्टेयर क्षेत्र चिन्हित किया। इसने 13 खनन पट्टों ऐसे भी पाए जहां खनिज का उत्खनन ही नहीं किया गया था, मगर 22,854 ई-रवन्ना (खनन विभाग द्वारा खनन पट्टा क्षेत्र से खनिज प्रेषण के लिए इलेक्ट्रॉनिक चालान) का दुरुपयोग करके 5.20 लाख मीट्रिक टन खनिज का प्रेषण दिखा दिया गया था। विभाग ने खनन गतिविधियों की प्रभावी निगरानी के लिए 10 अक्टूबर, 2017 से एक वेब-आधारित एप्लिकेशन डीएमजीओएमएस पर काम चालू किया मगर वह इस प्रणाली का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में विफल रहा। जैसे 53 मामलों में अवैध खनन गतिविधियों से संबंधित मांगें (71.20 करोड़ रुपये) डीएमजीओएमएस में बनाए गए मांग रजिस्टर पर नहीं दिखाई गईं। खनन पट्टों से पर्यावरण मंजूरी प्रमाण पत्र या संचालन की सहमति में निर्धारित सीमा से अधिक खनिजों का प्रेषण पाया गया, लेकिन अनुमेय मात्रा से अधिक खनिज के प्रेषण को रोकने के लिए सिस्टम में कोई जांच नहीं की गई। विभाग ने 38 खनन पट्टों में उत्खनन किये गये खनिजों की अधिक या अनाधिकृत मात्रा पर अपेक्षित 13,99 करोड़ रूपये का जुर्माना भी नहीं लगाया। राजस्थान में रॉयल्टी की दरें कुछ विशिष्ट खनिजों को छोड़ कर खनिज के वजन पर आधारित होती है। जिन तुलाओं पर उनको तोला जाता है उनमें से कुछ चुनी हुई तुलाओं के संचालन की सीएजी ने समीक्षा की तो उनमें से 81.68 प्रतिशत मालों में घपले पाए गए जिन्हें शासकीय भाषा में गंभीर अनियमितताऐं कहते हैं। घपले भी ऐसे जिनसे लगता है किसी को कानून की कोई परवाह ही न हो। जैसे 33.28 प्रतिशत ई रवन्नों की पुष्टि के लिए एक ही वाहन के फोटो का अनेक बार उपयोग किया गया। अर्थात जिन वाहनों के लिए ई रवन्ना जारी किए गए वे या तो तुला तक पहुंचे ही नहीं या बिना वजन करवाए ही चलते बने। इससे साबित होता है कि वाहन के वास्तविक वजन के बिना ई रवन्ना की पुष्टि की गई। विभाग इन तुलाओं के संचालन की निगरानी करने में विफल रहा जिसका सीधा असर सरकार के राजस्व पर पड़ा। विभाग के पास मुद्रित क्रमांकित पंचनामों का उपयोग करने की कोई व्यवस्था नहीं पाई गई। विभाग के लोग हाथ से क्रमांक लिख कर पंचनामे तैयार करते हैं। जिन थोड़ी सी जगहों की सीएजी ने जांच की वहां भी 511 पंचनामों को डीएमजीओएमएस पर अपलोड नहीं किया गया पाया गया। उच्च अधिकारियों ने खुद आगे बढ़ कर निगाह रखने की कोई ज़हमत नहीं उठाई। इसके अलावा 28 मामलों में 14.20 करोड़ रुपये के संबंध में अवैध खनन के स्रोतों या स्थलों की जांच ही नहीं की गई। रिपोर्ट से पता चलता है कि विभाग के कर्मी रॉयल्टी तय करने में भी घोर लापरवाही बरतते हैं। जांच में 28 प्रकरणों में रॉयल्टी, खनिज की कीमत तथा कंपाउंड शुल्क की 14.20 करोड़ की राशि का गलत निर्धारण होना पाया गया। खनन पट्टेदार अपने उत्खनित तथा बाहर भेजे गए खनिज की सूचना देने वाली जो वार्षिक और मासिक रिटर्न भरते हैं उनकी निगरानी करने में भी विभाग उदासीन पाया गया। आश्चर्य की बात है कि डीलरों के स्टॉक से रॉयल्टी भुगतान के लिए खनिज कितना बाहर जा रहा है उसकी जांच के लिए कोई विवरणी ही निर्धारित नहीं है। इसके अलावा खदान अनुज्ञप्त धारकों द्वारा किए गए खनिजों की निर्गमन की जांच का कोई तंत्र इस विभाग के पास नहीं है।

हम जानते हैं कि समूची अरावली पर्वतमाला साफ हो जाती यदि देश की सर्वोच्च अदालत कड़ाई से सरकारों को होश में नहीं लाती और उन्हें गैरकानूनी खनन को रोकने के लिए मजबूर न करती। यह ऑडिट रिपोर्ट अब सार्वजनिक है जो आंखें खोल देने वाली है। मगर क्या इससे शासन में बैठे लोगों की आंखें खुलेगी, यह सौ टके का सवाल है।

अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा ऐसी चोरी से होने वाले सरकारी राजस्व के नुकसान को रोकने के लिए विभाग में एक सतर्कता शाखा भी काम करती है। इस शाखा के कार्यालयों ने चार सालों में 956 प्रकरणों की पहचान की, जबकि समान क्षेत्राधिकार वाले खंड कार्यालयों ने अपने नियमित कामों के अलावा अवैध खनन गतिविधियों के 2,434 प्रकरणों की पहचान की। इससे सतर्कता शाखा के हाल का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट की टिप्पणी है कि अवैध खनन गतिविधियों का पता लगाने के लिए इस विशेष शाखा की स्थापना का उद्देश्य एक हद तक विफल रहा है। अवैध खनन की गतिविधियों का पता लगाने के लिए अब आधुनिक प्रौद्योगिकी हमारे हाथ में होते हुए भी सरकार मूक दर्शक बनी रहे इससे दर्दनाक बात और क्या हो सकती है। खनन माफिया को जड़ से खत्म कर देने और माफिया तथा सरकारी कारिंदों के बीच काले पैसों का खेल रोक पाने में सरकारें बेबस नज़र आती हैं शायद इसलिए कि राजनीति के खिलाड़ी जो जनसेवा का चेहरा लिए घूमते हैं वे इसके पोषक हैं। वरना खंड कार्यालयों एवं सतर्कता कार्यालयों के अधिकारियों को सौंपे गए कर्तव्यों की नियमित समीक्षा खनिज विभाग का मंत्री क्यों नहीं करता। जनता का प्रतिनिधि होने के नाते विभाग के मंत्री का यह फर्ज बनता है कि वह अपने विभाग में जनता का हित देखे न कि आंखें मूंदी रख कर खनन माफिया और काम-चोर अफसरों और कर्मचारियों को खेल करने दे। हम जानते हैं कि समूची अरावली पर्वतमाला साफ हो जाती यदि देश की सर्वोच्च अदालत कड़ाई से सरकारों को होश में नहीं लाती और उन्हें गैरकानूनी खनन को रोकने के लिए मजबूर न करती। यह ऑडिट रिपोर्ट अब सार्वजनिक है जो आंखें खोल देने वाली है। मगर क्या इससे शासन में बैठे लोगों की आंखें खुलेगी, यह सौ टके का सवाल है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

कविता विकल्प की विधा : वाजपेयी

उदयपुर। नन्द चतुर्वेदी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य पर नन्द चतुर्वेदी फाउंडेशन की ओर से आंठवा नन्द चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यान आयोजित किया गया, कार्यक्रम का प्रारम्भ अतिथियों क पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया, अतिथियों के स्वागत हेतु अनुराग चतुर्वेदी ने स्वागत उद्बोधन दिया, साथ ही अतिथियों का परिचय देते हुए अशोक वाजपेयी की दो प्रसिद्ध कविताओं से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया आपने कहा कि अशोक जी निर्भीक कवि है जिनकी निष्पक्षता उल्लेखनीय है आपने कहा कि नन्द जी को भी ओम थानवी पसंद थे, ओम थानवी जी को वे अपनी पहली कविता भेजते थे, पत्रकारिता मे आपका विशेष योग रहता है। आपने कहा कि माधव हाड़ा चमकते सितारे हैं वे प्रख्यात आलोचक है। पल्लव हिन्दू कॉलेज मे प्रोफ्रेसर है और ये इनका जादुई चमत्कार है कि दिल्ली जाकर आपने अपना स्थान बनाया है।

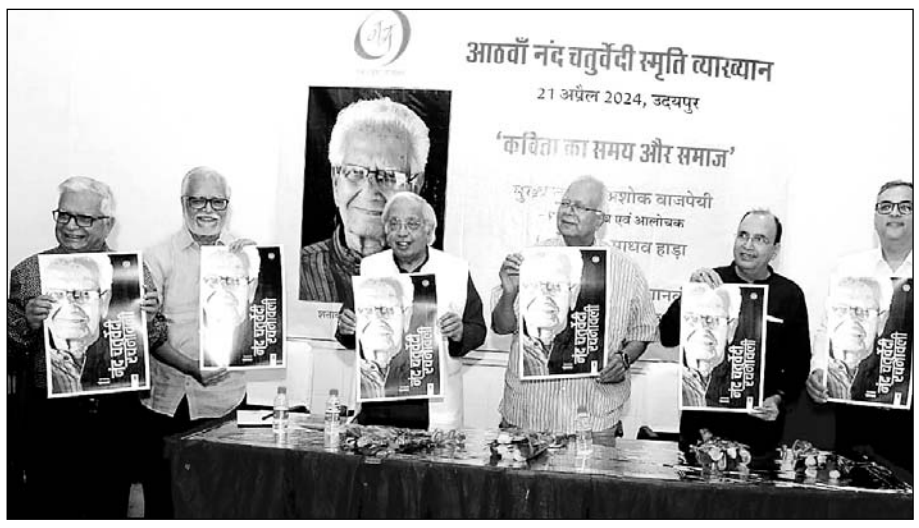

कार्यक्रम में रचानवली के आवरण का विमोचन किया गया। रचनावली के संपादक आलोचक पल्लव ने नन्द बाबू की कविता के अंश सुनाते हुए कहा कि नन्द बाबू ने हमारे लिए समृद्ध विरासत छोडी है। उन्होंने कहा कि नन्द बाबू में पिछली पीढ़ी को याद करने और आदर देने का गहरा जज़्बा था, जिन्हें सब भूल जाते हैं नन्द बाबू उन्हें कविता में स्थान देते हैं चार खंडो की रचनावली का परिचय देते हुए उन्होंने बताया कि पहले खंड में कविता, दूसरे खंड में वैचारिक गद्य, तीसरे खंड मे नन्द बाबू के संस्मरण एवं चौथे खंड मे अनुवाद होंगे।

मुख्य वक्ता अशोक वाजपेयी ने कविता का समय और समाज विषय पर स्मृति व्याख्यान दिया आपने कहा कि नन्द बाबू सादगी वाले और पारदर्शी व्यक्तित्व वाले थे, उनकी सादगी मे सुंदरता और संघर्ष दोनों है उनकी कविता मे उत्सव भी है और कौतुभ भी, नन्द बाबू ने उत्सव की तरह मुक्तिदाई पद का प्रयोग भी किया है, अम्लान रोशनी उनकी कविता में है। नन्द जी के संस्मरणों में भी सौम्यता व सुंदरता ढूंढ लेते थे। नन्द बाबू प्रियदर्शी, स्वप्नदर्शी व समयदर्शी थे। उन्होंने कठिन से कठिन समय में सपने देखने की ताव रखी कवि होने का प्रतिमान है कि उसमें जीजीविषा भी हों नन्द बाबू में ये है, उनकी सामाजिकता भी सौम्य थी, यह उनकी कविताओं में स्वयं नन्द बाबू ने कहा है। आपने कहा कि नंद बाबू कि रचना के शीर्षक ही पढ़ ले तो पाठक जान जायेगा कि वे क्या थे। आज के समय के विषय में आपने कहा कि राजनीति की सर्वग्रासिता से धर्मों का अध:पतन, विद्रुपन हो रहा है। मंदिर व्यापारिक गतिविधि बन गए है, आज झूठ, नफरत, हिंसा, हत्या, लवजीहाद का बुलडोजीकरण हो रहा है। सच आज अल्पसंख्यक है आज का समय स्मृति के क्षरण का समय है। निडर होने के लिए कितना डरना पड़ता है ये नन्द बाबू ने अपनी कविता में कहा है–आज ज्ञान का दैनिक अपमान व अज्ञान का महिमामंडन होता है। आज मीडिया सत्ता से प्रश्न नहीं पूछता, विपक्ष से प्रश्न पूछता है। समाज के विषय में वाजपेयी जी ने कहा कि आज का सबसे हिंसक समाज हिन्दी का समाज है। इस समाज की सहज मानवीयता क्षिरत हो रही है। हिन्दी समाज बेरोजगारी, बेकारी अशिक्षा में आगे हैं, इसमें भी मध्यवर्ग मातृभाषा से दूर होता जा रहा है।

वाजपेयी ने कहा कि हिन्दी समाज का एक प्रतिशत ही साहित्य पढ़ता होगा। हिन्दी समाज पुस्तकों, लेखकों से मुँह फेरे हुए है। हिन्दी समाज सांस्कृतिक विपन्न हो गया है। हिन्दी केवल अभिव्यक्ति और सृजन की भाषा रह गयी है। साहित्य सम्बन्धी संस्थाओ को भी नष्ट कर दिया गया है, पुस्तकालय सुने है, मंदिरों में भीड़ है। हिन्दी लिखने और बोलने वाले लोग भी पुरातत्विक हो गए है। ऐसे समाज में नन्द बाबू का होना अद्भुत है, ऐसे समाज में रहकर भी कविता के समय और समाज पर कहना अदभुत है। हिन्दी में कविता लिखना आज फिजूल मना जाता है, कविता में रुचि का तेजी से ह्रास हो रहा है हिन्दी में कायदे से कविता लिखना गैरकानूनी है। कविता भाषा में लिखी जाती है जो हमारा सामाजिक उत्तराधिकार है। कविता हर समय में संभव है, कविता भाषा का रूपयान भी करती है और संभावना भी व्यक्त करती है, कविता याद को बचाने का काम करती है। उदयपुर के समाज की नन्द बाबू की कविता के प्रति क्या जिम्मेदारी है इस प्रश्न पर कहा कि सब जिम्मेदारी कवि की ही नहीं होती पाठक की भी होती है। कविता जो हो रहा है वह भी और जो नहीं हो रहा उसे भी कहती है, कविता चतुर चालाक जानवर है सब पर नज़र रखती है, कविता बहुलता की पोषक है कविता विकल्प की विधा है, विकल्प की कल्पना की जा सकती है। सपना ना देखना कविता का अपमान होगा। हिन्दी कविता समाज दर्पण नहीं समाज का नैतिक व राजनैतिक पक्ष है। प्रसिद्ध आलोचक प्रो. माधव हाड़ा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि कविता का समय से सम्बन्ध महत्वपूर्ण है। नन्द बाबू कि कविता मे समय पारदर्शी है, आपने नन्द बाबू की कविता का पाठ करते हुए कहा कि नन्द बाबू की कविता जीवन के राग की कविता है, जीवन का अभाव उनकी कविता मे है जीवन का राग पक्ष उनकी कविता मे है, नन्द बाबू की सबसे महत्वपूर्ण कविता है-शरीर डॉ. हाड़ा का कहना है कि मुझमें जो थोड़ा बहुत आत्मविश्वास है वह नन्द बाबू कि देन है।

अध्यक्षता कर रहे ओम थानवी ने कहा कि मुझ पर नन्द बाबू का स्नेह काफ़ी था। नन्द बाबू मुझे चिट्ठियां लिखते थे जिन्हे मैंने संभाल रखा है, उनमे से कुछ चिट्ठियों का वाचन कर कहा कि वे समय के यथार्थ की बाते कहते थे। वे पत्रकारिता पर भी कुछ ना कुछ लिखा करते थे, जो उन्हें सही नहीं लगता उसको भी वे कहा देते थे। वे हमेशा बताते थे कि कहाँ आप भावुक हो रहे है, आपकी जो जिम्मेदारी है उसमे ज्यादा भावुकता का स्थान नहीं। उन्होंने कहा कि लेखक आज चुप है जिन्हे कहना चाहिए वे आज चुप है, डरे हुए है ऐसे समय मे नन्द बाबू को पढ़ने की आवश्यकता है, ख़ासतौर पर तब जब हम संकट के समय से गुजर रहे हो।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. अरुण चतुर्वेदी ने किया साथ ही कार्यक्रम मे उपस्थित सभी श्रोताओ और वक्ताओ का अपनी और फाउंडेशन की और से धन्यवाद ज्ञापित किया।

–सुयश चतुर्वेदी,
नंद चतुर्वेदी फाउंडेशन,
उदयपुर

आजादी के 78 साल बाद भी मूलभूत सुविधायें नहीं पहुंचने से मतदाताओं में नाराजगी

- **खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र के राउमावि. फलांवाली के बूथ पर 675 वोटों में से महज पांच वोट ही पोल हुए**
- **बराला गांव के बूथ पर 91.12 फीसदी वोट पड़े, ज्यादा मतदान की वजह गांव का शत-प्रतिशत शिक्षित होना प्रमुख रहा**

बीकानेर, (निसं)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में कम मतदान को लेकर दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से लेकर जिलों के निर्वाचन अधिकारी तक जिस सवाल का जवाब तलाश रहे हैं, उसका जवाब बीकानेर लोकसभा क्षेत्र के खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र में मिल सकता है। इस विधानसभा क्षेत्र के दो अलग-अलग गांवों में बीकानेर लोकसभा सीट का न्यूनतम और सर्वाधिक मतदान दर्ज हुआ है। न्यूनतम मतदान वाले फलांवाली गांव के बूथ पर जहां एक फीसदी से भी कम यानी 0.74 प्रतिशत मत पड़े, तो वहीं इसी वि.स. क्षेत्र के बराला गांव के बूथ पर 91.12 फीसदी वोट पड़ गए। जहां तक कम मतदान की बात है, तो आजादी के 78 साल बाद भी यहां सड़क, बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का न होना मुख्य कारण माना जा रहा है, जो इस बार विस्फोटक रूप से सामने आ गया।

वहीं ज्यादा मतदान की वजह गांव का शत-प्रतिशत शिक्षित होना प्रमुख रहा। लोग सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के प्रति जागरूक रहे। शासन-प्रशासन के तालमेल से इलाके का विकास हुआ। मूलभूत सुविधाओं पर काम हुआ। नतीजा यह हुआ कि यहां लोकतंत्र में लोगों की आस्था बढ़ी। पहले विधानसभा चुनाव में सर्वाधिक मतदान की होड़ रही। अब लोकसभा चुनाव में भी यही नजारा दिखा। खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र के राउमावि. फलांवाली के बूथ पर 675 वोटों में से महज पांच वोट ही पोल हुए, जबकि राउमावि बराला के बूथ पर 473 में से 431 वोट पोल हुए। कम मतदान में दूसरे नम्बर पर लूणकरनसर के धीरेरां स्टेशन का बूथ रहा। यहां पर 714 में से 34 वोट ही पड़े। मतदान का प्रतिशत 4.76 रहा।

भाजपा प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल के मतदान केन्द्र बीकानेर पूर्व विधानसभा के राउमावि किशमीदेसर में 76.60 फीसदी मतदान हुआ। जबकि कांग्रेस प्रत्याशी गोविन्दराम मेघवाल के मतदान केन्द्र खाजूवाला विधानसभा के राउमावि पूगल में 64.69 प्रतिशत मतदान हुआ है। खाजूवाला क्षेत्र के गांव फलांवाली तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क नहीं है। बिजली की आपूर्ति नहीं होती। ग्रामीणों को पीने का पानी भी नहीं मिल रहा। परेशान ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव में मतदान न करने की ठानी और मतदान केन्द्र तक नहीं पहुंचे। प्रशासन ने यहां समझाइश कर पांच वोट तो डलवा लिए, लेकिन बुरी तरह त्रस्त ग्रामीणों ने एक तरह से मतदान का बहिष्कार ही रखा। गांव के सरपंच बजरंग सिंह के शब्दों में आजादी के 78 साल बाद भी कच्चा रास्ता, शिक्षा, बिजली, पीने के पानी की व्यवस्था गांव तक नहीं पहुंचने से ग्रामीणों का नेताओं पर से भरोसा ही उठ गया।

खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र के बराला का बूथ विधानसभा चुनाव के दौरान भी सर्वाधिक मतदान कर प्रथम स्थान पर रहा। सरपंच गिरधारीलाल के मुताबिक, शत-प्रतिशत शिक्षित ग्रामीणों वाले इस गांव के लोगों में सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता है। गांव में लगातार विकास के काम हुए हैं। यही वजह है कि अब लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक मतदान किया।

फुलेरा जंक्शन पर पुलिया टूटने से रेल यात्री परेशान

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा जंक्शन पर अव्यवस्थाओं की भरमार देखने को मिल रही है। इसके अंतर्गत प्लेटफार्म पर आवारा कुत्तों, पशुओं का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। इसके अलावा वहीं रेलयात्री प्लेटफार्म पर खड़ी ट्रेनों के नीचे से जान जोखिम में डालकर रेलवे स्टेशन पहुंच रहे हैं। वहीं जंक्शन पर पूर्व में पुरानी पुलिया थी उसको भी प्रशासन द्वारा तोड़ दी गई। इसकी जगह नई पुलिया बनने का प्रावधान है लेकिन नई पुलिया बनने में अभी काफी समय लगेगा। क्योंकि अभी तो पुरानी पुलिया भी पूरी नहीं तोड़ी गई है। वो भी अधरझूल में है। नई पुलिया बनेगी जब तक रेल यात्रियों, बुजुर्गों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन द्वारा रेलवे स्टेशन के अन्तिम छोर में बनाया गया ओवरब्रिज भी काफी ऊंचा होने के कारण बुजुर्गों को यहां से आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके चलते यहां एस्केलेटर या लिफ्ट लगे तो जरूर इनको राहत मिल सकती है लेकिन अभी वर्तमान में स्थिति काफी दयनीय है। जबकि फुलेरा से प्रतिदिन 15 हजार से अधिक दैनिक रेलयात्री अपनी रोजी रोटी कमाने के लिए जयपुर एवं अजमेर सहित अन्य स्थानों के लिए अप-डाउन करते हैं। कई बार तो ओवरब्रिज होकर जाते जाते इनकी ट्रेन भी छूट जाती है।

फुलेरा जंक्शन पर रेलयात्री जान जोखिम में डालकर रेलवे स्टेशन पहुंच रहे हैं।

राशिफल बुधवार 24 अप्रेल, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, स्वाती नक्षत्र रात्रि 12:41 तक, सिद्धि योग गुरूवार प्रात: 5:05 तक, बालव करण सांय 6:02 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

कुमार योग आज रात्रि 12:41 से सूर्योदय तक है। आज अश्विनी मेष रात्रि 11:58 पर प्रवेश करेगा। आज एकलिंग पाटोत्सव है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:12 तक, शुभ 10:48 से 12:25 तक, चर 3:38 से 5:15 तक, लाभ 5:15 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:58, सूर्यास्त 6:52

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यक्तिगत कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

धनु
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा है। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नवीन कारोबारी अनुबंध प्राप्त होंगे।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से सम्पन्न होंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

सार-समाचार

101 फलदार पौधे वितरित किए

रतनगढ़,(निसं)। स्थानीय रा.उ.मा.वि.बुधवाली में कार्यरत शिक्षक धर्मवीर बिजारणियां और उनकी धर्मपत्नी मनोज जानू ने अपने पुत्र के जन्मोत्सव पर 101 फलदार पौधे वितरित कर नई पहल की है। शिक्षक प्रकाश चौधरी ने बताया की विगत दिनों विद्यालय में हरित विद्यालय कार्यक्रम में पधारे अंतराष्ट्रीय पर्यावरण पुरस्कार प्राप्त पर्यावरणविद् श्यामसुंदर ज्याणी बीकानेर विश्वविद्यालय के पारिवारिक वानिकी के कार्यों से प्रेरणा लेकर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए एक छोटा सा कदम उठाया है जो की निश्चित ही समाज के लिए प्रेरणादायक है। इस तरह के कार्यक्रमों से पर्यावरण के प्रति आम जन में चेतना आएगी। सामाजिक कार्यक्रमों को हम पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण से जोड़कर इस अभियान को और आगे बढ़ाएंगे तो पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज और ज्यादा जागरूक होगा।

पांच दिवसीय योग शिविर आयोजित

झुंझुनूं,(निसं)। झुंझुनूं पतंजलि योग समिति द्वारा इंदिरा पार्क चुणा चौक में आयोजित पांच दिवसीय योग, विज्ञान एवं ध्यान शिविर के तीसरे दिन पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी पवन कुमार के सानिध्य में प्रणायाम एवं विभिन्न आसनों का अभ्यास करवाया गया। इस अवसर पर अंतराष्ट्रीय योगा खिलाडी सुदेश चौधरी एवं विशाल कुमार ने आर्टिस्टिक एडवांस योगा का बेहतरीन प्रदर्शन किया एवं कठिन आसनों का अभ्यास किया। योग शिविर संयोजक नवीन खंडेलिया ने बताया की इंदिरा पार्क चुणा चौक में योग क्लास सुबह 5 बजे से 7 बजे तक पिछले दस वर्षो से नि:शुल्क आयोजित की जा रही हैं उन्होंने कहा की योग हमारी ऋषि परम्परा हैं, समिति की तरफ से योगा खिलाडी सुदेश एवं विशाल को साफा एवं अंगवस्त्र पहना कर स्वागत किया। इस अवसर पर नवल गाडिया, बंटी, राजकुमार सोनी, नवीन खंडेलिया, रवि पंसारी, नीरज गोयल, अनूप अग्रवाल, रींकु अग्रवाल, सविता तुलस्यान, मंजू अग्रवाल, अल्का सोनी, श्रवण रिंगसिया, भरत सोनी भी उपस्थित थे।

हज यात्री मोहम्मद का स्वागत किया

चूरू, (का.सं.)। नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया ने हाजी मोहम्मद अयाज रिसाल दार पूर्व डीडी पी का 25 दिन की हज यात्रा करके चूरू लौटने पर बधाई देकर फुल माला से स्वागत किया। हाजी मोहम्मद अयाज का मक्का में भी स्वागत किया गया। इस अवसर पर महन सरिया ने कहा कि हज व तीर्थ यात्रा नसीब वाले करते हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ अध्यापक सदिक खान, रियाज बाबर डवोकेट, पूर्व अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मोहम्मद नियाज खा, शहीद खा व खुशी मोहम्मद खान आदि थे।

ताला तोड़कर जेवर व नकदी चोरी

बीकानेर, (कासं)। जिले भर में चोर बेलगाम हो गये है। पुलिस की नकेल नहीं होने के कारण आये दिन घरों और दुकानों को निशाना बना रहे हैं। जिसको लेकर अलग-अलग थानों में मामले दर्ज हुए है। शहर के कोतवाली थाने में रामपुरिया हवेली के पास निवासी अजय राखेचा का आरोप है कि 21 अप्रेल को उनके घर का ताला तोडकर कोई अज्ञात अलमारी से 12 हजार रुपए नकद और चांदी के जेवरात चुराकर ले गया। वहीं जिन्ना रोड, कोटगेट क्षेत्र निवासी अख्तर अली ने नाल थाने में दर्ज कराया है। परिवादी का आरोप है कि नाल बड़ी स्थित उनकी दुकान से 21 अप्रेल की रात को उनकी दुकान का छत का टिन सेड तोडकर कोई अज्ञात अंदर घुस गया और पक्षियों का पिंजरा, पानी की मोटर और इलेक्ट्रिक कांटा चूरा कर ले गया।

शोभा यात्रा का स्वागत किया हुआ

रतनगढ़,(निसं)। अखिल भारत हिन्दू युवा मोर्चा के नगर अध्यक्ष मधुसूदन स्वामी के नेतृत्व में श्री ताल वाले बालाजी मंदिर से हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य शोभा यात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया खादी भंडार के पास पुष्प वर्षा व निम्बु पानी शर्बत भामाशाह के सहयोग से पिलाया गया।। जिसमें प्रदेश कार्यालय प्रभारी नन्द किशोर कन्दोई, सरीता पडिहार विकास अजीतसरिया मदन स्वामी धनराज , नरेंद्र,दलुसिह लूछं जयराम , श्याम सोनी काफ़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कट्टे में नवजात मिला

बीकानेर, (कासं)। जिले के देशनोक थाना इलाके में नवजात मिला है। जिसे बेरहम मां-बाप कट्टे में बांधकर रोही में फेंक कर चले गए। जानकारी मिली हैं कि पलाना के पास एक कट्टे में नवजात के होने की सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची। देशनोक थानाधिकारी सुमन शेखावत ने नवजात को पीबीएम के बच्चा हॉस्पिटल में भर्ती करवाया हैं।

'श्योपुरा बालाजी धाम में रात्रि जागरण में उमड़ा जन सैलाब,

चूरू,(का.सं.)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती ग्राम श्योपुरा बालाजी धाम में मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विषाल शोभायात्रा व भव्य रात्री जागरण का आयोजन किया गया।

जागरण में एक से बढ़कर एक सजीव झांकियां सभी के आकर्षण का केंद्र रही। दो दिवसीय कार्यक्रम में मंदिर परिसर की भव्य सजावट की गई। पुजारी हरिचरण शर्मा ने बताया कि,सोमवार प्रात: 11 बजे मंदिर प्रांगण में रुद्राभिषेक किया गया। सांय 7:30 बजे विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। रात्री 8 बजे महाआरती की गई और रात्री 10 बजे से रात्री जागरण का आयोजन किया गया।

पुजारी हरिचरण शर्मा ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का आगाज किया। पुजारी ने श्री बालाजी ने लाड लडावे माता अंजना मेरी विनती सुनो हनुमान धरू मैं थारो ध्यान, पवन का प्यारा मां अंजना का लाड दुलारा.सहित अनेक भजनों की शानदार प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में श्योपुरा के बाबुलाल सैनी ने झालर शंख नगारा बाजे रै..आणौ है पवन कुमार म्हारे कीर्तन में भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। चूरू के गायक कलाकार संजय शर्मा ने आज हनुमान जयंती है, ऐसा लगता है पूरे संसार में मनती है। डॉ. सुशील हारित ने वीर बजरंगबली मुझे तेरा ही सहारा हैआदि भजनों की प्रस्तुतियां देकर उपस्थित भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मेहुल शर्मा ने छोटो सो बांदर हटकरग्यो सवामणी का लाडू सारा चट करग्यो सहित अनेक भजनों की प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को देर रात तक बांधे रखा। मंदिर के पुजारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि सिरसा के माइकल मुकेश के सानिध्य में महाबली हनुमान, शिव-पार्वती, राधा-कृष्ण और महाकाली की सजीव झांकियां सभी के आकर्षण का केंद्र रही।

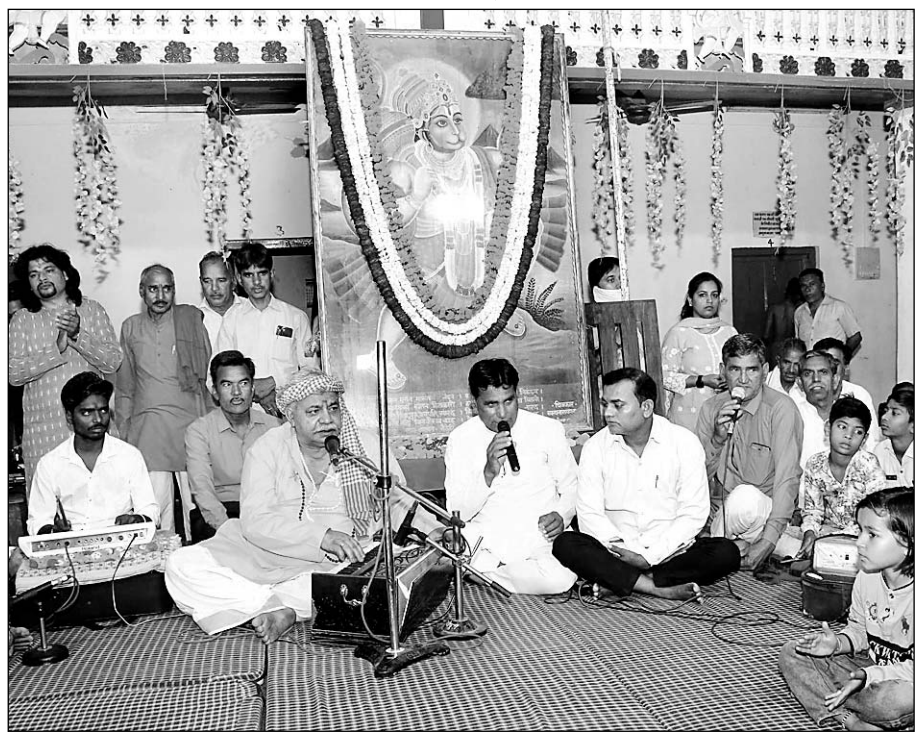

चूरू के निकटवर्ती श्योपुरा बालाजी धाम में आयोजित रात्रि जागरण में भजनों की प्रस्तुति दी गई।

- इस दौरान विषाल शोभायात्रा व भव्य रात्री जागरण का आयोजन किया गया।

मंगलवार को मंदिर परिसर से बालाजी महाराज की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रमोद पुजारी, मयंक पुजारी, महावीर पुजारी, उत्तम कुमार बील, गोपीराम चोटिया, केशर देव चोटिया, जूही हरियाणा, कमल कुमार शर्मा, निरंजन कुमार शर्मा, ज्योति काछवाल, भव्य पुजारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। मंदिर के कार्यकर्ता कैलाश चन्द्र नवहाल ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

असहाय बुजुर्गों को कराया भोजन

नोखा, (कासं)। जन अधिकार सेना के बीकानेर जिला प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद ओझा के द्वारा अपनी माताजी की पुण्यतिथि अनोखे अंदाज में मनाई।

जिस तरह आज लोग अपने जन्मदिन मनाते हैं। अपने बुजुर्गों का तिरस्कार कर रहे हैं। लेकिन इन सबसे परे होकर राजेन्द्र प्रसाद ओझा ने अपनी माताजी की पुण्यतिथि पर अपना घर आश्रम में जाकर वहां पर विराजमान देवतुल्य प्रभुजी को भोजन कराया।

जन अधिकार सेना के प्रदेश कोषाध्यक्ष कानाराम शर्मा ने बताया कि जिस तरह राजेन्द्र प्रसाद ओझा ने आज अपनी माताजी की पुण्यतिथि पर जो सेवा कार्य किया है। यह बहुत ही सराहनीय कार्य है। सभी को अपने माता जी पिताजी की पुण्यतिथि पर ऐसे कार्य करने चाहिए। साथ ही अपने जन्मदिन व अन्य खुशी के मौके पर भी ऐसे कार्य करने चाहिए ताकि समाज में एक नया उदाहरण हो और लोग मानव सेवा के प्रति आकर्षित होकर मानव सेवा करें ताकि कोई गरीब भूखा ना सोए।

शर्मा ने कहा कि लगातार संगठन के द्वारा सेवा कार्य जारी है। इसी के तहत आज संगठन के जिला प्रभारी के द्वारा अपनी माताजी की पुण्यतिथि पर यह सेवा कार्य किए गए हैं। सेवा कार्य में प्रदेश कोषाध्यक्ष कानाराम शर्मा, रामेश्वर लाल ओझा, राधेश्याम ओझा, संजय ओझा, ऋषभ ओझा, अमित ओझा, मोहित, विकास, सीमा, निकिता, प्रिया आदि जन उपस्थित थे।

आई.पी.एल. पर सट्टा लगाते एक गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। जिले में पांचू थाना पुलिस ने विशेष अभियान अवैध मादक पदार्थों के धरपकड व खरीद फरोख्त के तहत कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

आरोपी के कब्जे से आईपीएल सट्टे के 01 लाख 72 हजार रूपये, एन्ड्रॉयड फोन व लाखों का हिसाब किताब जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपी से गहनता से पूछताछ जारी है।आईजी ओमप्रकाश, एसपी तेजस्वनी गौतम व एएसपी ग्रामीण प्यारेलाल श्योराण के निर्देशन में सीओ नोखा हिमांशु शर्मा के निकटतम सुपर विजन में मादक पदार्थ की तस्करी के रोकथाम के अभियान के दौरान आज रामकेश मीणा एसआई थानाधिकारी पुलिस थाना पांचू व टीम द्वारा दौराने गश्त खास मुखबिर इत्तला पर मुख्य बाजार ग्राम पांचू में जितेन्द्र इलेक्ट्रोनिक दुकान में अभियुक्त जेठाराम जाट पुत्र श्रवणराम उम्र 27 वर्ष निवासी पांचू पुलिस थाना पांचू जिला बीकानेर को गिरफ्तार कर कब्जे से 29.30 ग्राम अफीम, आईपीएल सट्टे के 172000 रुपये, एन्ड्रायड फोन, लाखों के हिसाब किताब जप्त कर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार आनन्द कुमार पुनि थानाधिकारी पुलिस थाना बज्जू जिला बीकानेर को सुपुर्द किया गया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। टीम में रामकेश मीणा उपनिरीक्षक, गंगाराम एचसी, रामनिवास, भैरूदान , रामेश्वर लाल, बलवान खींची शामिल थे।

- आरोपी के कब्जे से आईपीएल सट्टे के 1. 72 लाख रूपये बरामद किए

महिला के गले से चैन तोड़ी : देशनोक पुलिस थाना क्षेत्र में महिला के गले से सोने की चेन तोड़ने का मामला सामने आया है। इस आशय की रिपोर्ट श्रीगंगानगर जिले के 1579 होमलैण्ड निवासी सुमित्रा चौहान ने देशनोक पुलिस थाने में दी है। रिपोर्ट में बताया कि वह देशनोक स्थित मां करणी मंदिर में दर्शन के लिए आई थी।

ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की

खेतडी,(निसं)। खेतडी कस्बे के शनि मंदिर के पास बनी पानी की टंकी को तोडने को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश पनप रहा है। मंगलवार को ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर पानी की टंकी तोडने वालो के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार खेतडी कस्बे के वार्ड 17 में पुराने समय से शनि मंदिर बना हुआ है। मंदिर के पास काफी समय पहले आमजन के लिए पानी की टंकी व पशुओं के लिए खेल का निर्माण करवाया गया था। पानी की टंकी का उपयोग मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए होता आ रहा था। पिछले करीब तीन-चार दिन पहले कुछ लोगों ने पानी की टंकी व खेल्ल को तोड दिया। पानी की टंकी तोडने को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीण गौतम मेहरा ने बताया कि कुछ लोगों ने अपने निजी स्वार्थ को लेकर पानी की टंकी को तोड दिया तथा जगह को खाली कर उस पर दुकान बनाकर कब्जा करना चाहते है। मंदिर की भूमि होने के बावजूद भी कुछ लोग दुकानों का निर्माण कर उक्त जमीन को हडपना चाहते है, लेकिन ऐसा होने नहीं दिया जाएगा। मंदिर के पास बनी पानी की टंकी आमजन के लिए उपयोगी थी, लेकिन इसे तोड दिया गया, जिससे मंदिर में आने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड सकता है। मंदिर के पास बनी टंकी तोडने को लेकर नगरपालिका को अवगत करवाया गया है। यदि इसके बावजूद भी टंकी का निर्माण नहीं करवाया गया तथा दुकानें बनाई गई तो ग्रामीणों की ओर से बडे स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन से तोडी गई पानी की टंकी का दोबारा निर्माण करवाने तथा ऐसा कार्य करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस मौके पर प्रवीण कुमार, लक्ष्मीकांत, मनोज कुमार, मीनू, भंवरलाल, योगेश कुमार, प्रदीप कुमार, सुनील, नरेश कुमार, विकास कुमार, बाबूलाल सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

पानी की टंकी को तोड़ने को लेकर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया।

सालासर नगरी में उमड़े भक्त बालाजी का मनाया बर्थडे

सुजानगढ़(निसं)। सालासर धाम में चैत्र पूर्णिमा पर आयोजित मेले में भक्तों की भारी भीड़उमड़ी, रात 2 बजे से सालासर बालाजी मंदिर के कपाट खोल दिए गए, जिसके बाद कतार में लगे श्रद्धालुओं ने बालाजी के जयकारों के साथ पूजा अर्चना की।

इस खास मौके पर बालाजी का पुजारी परिवार के द्वारा सोने के चोले का श्रृंगार किया गया। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर सालासर बालाजी के खीर चूरमे का विशेष भोग लगाया गया। मंदिर को भी इस खास मौके पर फूलों से सजाया गया। मेले में पुलिस प्रशासन की चाक चौबंद व्यवस्था रही। हनुमान सेवा समिति अध्यक्ष यशोदानंदन पुजारी, उपाध्यक्ष मनोज पुजारी ने जिला प्रशासन का वयवस्थाओं के लिए आभार जताया। यूट्यूब पर सालासर के वीडियो देख चंडीगढ़ से दो दिव्यांग दोस्त आए बालाजी दर पर हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर दो दिव्यांग दोस्त सालासर बालाजी के दर्शन के लिए चंडीगढ़ से सालासर धाम पहुंचे। चंडीगढ़ से आए राहुल, हनुमान ने खुशी- खुशी बालाजी महाराज के दर्शन कर खुद को धन्य बताया।

- भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, रात 2 बजे से सालासर बालाजी मंदिर के कपाट खोल दिए

आसपास से बातचीत में राहुल ने बताया की हमनें यूट्यूब पर सालासर धाम के वीडियो देखे। जिसके बाद हर वक्त साथ रहने वाले दोस्त हनुमान के साथ मिलकर हमने सालासर में आकर बालाजी के दर्शन करने का निर्णय लिया। दोनों में बालाजी के प्रति आस्था इतनी थी कि दोनों ने अपनी मनोकामना में बार बार सालासर धाम बुलाने का आठाह बालाजी से किया।

हनुमान ने कहा की उनकी और राहुल की जोड़ी राम, लक्ष्मण की जोड़ी है। इससे पहले दोनों ने खाटूश्याम जी के भी दर्शन किए। दोनों ने बालाजी के दर्शन कर प्रसन्नता जाहिर की। चैत्र पूर्णिमा के तीन दिवसीय मेले में जमकर यात्रियों ने खरीददारी की। सालासर बालाजी मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं ने चूरमे, लड्डू, चक्की की सवामनी का भोग लगाया। इसके अलावा मंदिर के बाहर की दुकानों पर भी जमकर प्रसाद बिका। वही मेले में खिलोने भी जमकर बीके। इसके अलावा यात्रियों ने विभिन्न चाट पकौड़ी का आनंद लिया।

आज एक घंटे बिजली कटौती

बीकानेर, (कासं)। विद्युत तंत्र के रख-रखाव के लिए बुधवार को विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग समय बिजली कटौती रहेगी।बीकेईएसएल के अनुसार प्रात: 07:30 बजे से 08:30 बजे तक मोहता सराय, हाफिज कॉलोनी, राव बीकाजी की टेकरी, गुलजार बस्ती, केशव राव कुआ, ईश्वर आईटीआई, मोदियों का श्मशान, छबीली घाटी, लक्ष्मीनाथ मन्दिर, लक्ष्मीनाथ पुलिया, लंका, सुनारों का मोहल्ला, भांडाशाह जैन मन्दिर, गहलोत हॉस्पिटल, शंकर पान के पास, पीएन भवन, खेतेश्वर बस्ती, गोपेश्वर बस्ती, कडानी कॉलोनी, मोहन पापड, सोनालिया भैरू मंदिर, आचार्यों का चौक, उस्तों की बारी, सुथारों की गुवाड, उस्तों का मोहल्ला, लौहार कॉलानी, बडे भैरू मन्दिर के पास, आडुजी की बारी, सुराना डेयरी के पास, सुनारों का मोहल्ला, उस्ता बारी के बाहर, जुगल भवन के पास, भट्टड़ों का चौक, हरिजन बस्ती में बिजली कटौती रहेगी।

हनुमान जन्मोत्सव पर सुन्दरकांड पाठ का आयोजन

झुंझुनूं,(निसं)। शहर के एस एस मोदी विद्या विहार के प्रांगण में मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

विद्यालय समन्वयक मनीष अग्रवाल व प्राचार्य विजय मसीह ने रामदरबार की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य ने रामभक्त हनुमान के जीवन से प्रेरणा लेकर हर कार्य को पूरी निष्ठा से करने की बात कही। उन्होंने बच्चों को बताया यदि किसी कार्य में बाधा आए तो उसका डटकर मुकाबला करना चाहिए और अपने कार्य के प्रति पूरा समर्पण होना चाहिए। प्रार्थना सभा में समस्त छात्र-छात्राओं के साथ-साथ विद्यालय के समस्त अध्यापक-अध्यापिकाओं ने भी सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। विद्यालय परिसर में ही शाम के समय संगीत शिक्षक आत्माराम जांगिड एवं समस्त विद्यालय स्टॉफ ने सुंदरकांड पाठ व आरती कर हनुमान जी का आशीर्वाद माँगा। हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में प्रसाद वितरण कर सभी ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर मुम्बई प्रवासी ट्रस्टी शशिकांतमोदी, त्रिषु कुमार बरासिया व गिलूराम मोदी ने हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं प्रेषित की।

- प्रार्थना सभा में छात्र-छात्राओं के साथ विद्यालय के अध्यापक-अध्यापिकाओं ने भी सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया

विश्व पुस्तक दिवस पर पुस्तक पदर्शनी आयोजित

झुंझुनूं,(निसं)। विश्व पुस्तक दिवस पर जिला मुख्यालय स्थित जिला पुस्तकालय एवं सावित्रीबाई फूले वाचनालय में पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विषयों की पुस्तकें पाठकों के लिए रखी गई। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह ने किताब की महत्ता को इंगित करते हुए नियमित अध्ययन पर जोर दिया।

उन्होंने साहित्यकार डॉ. आरडी सैनी कृत पुस्तक किताब का जिक्र करते हुए कहा कि, एक किताब जीवन की दिशा और दशा बदल सकती है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक पवन पूनिया ने कहा कि जिलेवासियों को यहां मौजूद पुस्तकों के संग्रह का अध्ययन के जरिए लाभ उठाना चाहिए। से.नि. पुस्तकालयध्यक्ष द्वारका प्रसाद सैनी ने कहा कि केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पुस्तकें पढने की बजाय विषयपरक अध्ययन करना चाहिए। इस दौरान दयाशंकर सहारण, रामावतार जांगिड, विश्वंभर राणासरिया समेत विभिन्न पाठकों ने भी अपने विचार रखे। राजेंद्र प्रसाद शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रदर्शनी में संविधान की मूल प्रति एवं गीता प्रेस गोरखपुर से प्रकाशित जयदयाल गोयनका कृत श्रीमद्भागवतगीता तत्वविवेचनी, गुरू ग्रंथ साहब एवं बीकानेर रियासत के इतिहास की पुस्तकों की प्रमाणित प्रतियां भी प्रदर्शित की गई।

- संविधान की मूल प्रति समेत पौराणिक एवं धार्मिक पुस्तकों की प्रमाणिक प्रतियां भी प्रदर्शित की गई

सेरेमनी एवं अर्थ-डे मनाया

सीकर, (नि.सं.)। पालवास रोड, सीकर स्थित प्रिंस स्कूल में बोर्ड कक्षाओं, सी.यू.ई.टी. व जेट आई.सी.ए.आर. क्रैश कोर्स टेस्ट सीरीज में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्रिंस एजुहब मुख्य प्रबंध निदेशक राजेश ढिल्लन, प्रिंसिपल एमआर अग्रवाल, सीमा राजपुरोहित, एकेडमिक हेड सुरेश सिंघल व फैकल्टी मेंबर्स ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मेडल, रजिस्टर व पेन देकर सम्मानित किया।इस दौरान राजेश ढिल्लन ने कहा कि प्रिंस एजुहब में प्रत्येक विद्यार्थी को स्कूलिंग के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की भी विशेष तैयारी कराई जाती है।कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा अर्थ डे के अवसर पर एनवायरमेंटल कंजर्वेशन थीम पर स्पीच, ड्रामा एवं नृत्य प्रस्तुतियां दी गई। ग्लोबल वार्मिंग, ग्रीन हाउस इफेक्ट, नेचुरल रिसोर्सेज, चिपको मूवमेंट आदि पर विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चार्ट व मॉडल्स आकर्षण का केंद्र रहे।

जानवर के हमले में 14 भेड़ व तीन बकरियों की मौत, पशुपालक परेशान

सादुलपुर, (निसं)। निकटवर्ती गांव थान मठुई में रिवाडे में बंधी भेड बकरियों पर किसी अज्ञात जानवर द्वारा हमला कर 17 भेड बकरियों को मौत के घाट उतारने एवं 07 के गंभीर घायल करने को लेकर मंगलवार को पीडित ने राजगढ थाने में मामला दर्ज करवाया है।

थान मठुई गांव का महेंद्र मेघवाल उम्र 60 साल गत 30 सालों से भेड बकरियों को पालकर अपने परिवार का पालन पोषण कर आ रहा था तथा यही उसकी आजीविका का साधन है। पीडित ने बताया कि अज्ञात जानवर के हमले के कारण 14 भेड तथा 3 बकरियों की मौत हो गई तथा 7 भेड बकरियां गंभीर रूप से घायल हो गई है। उन्होंने बताया कि करीबन दो लाख से अधिक की कीमत की भेड व बकरियों की मौत हो गई तथा 7 गभीर रूप घायल है। पीडित ने बताया कि उसकी रोजी-रोटी छिन गई है। पीडित ने बताया कि वह गत 3 सालों से भेड बकरियों को पालकर अपना जीवन बसर कर रहा था। लेकिन अचानक अज्ञात जानवर के हमले के भेड बकरियों की मौत एवं घायल की घटना के कारण उसकी हिम्मत टूट गई है। तथा रोजी-रोटी का भी संकट खडा हो गया है। पीडित ने बताया कि उसके दो पुत्र एक पुत्री है। जिसमें बडा पुत्र संजय 20 वर्ष, छोटा पुत्र सुनील 15 वर्ष 18 वर्षीय पुत्री माडी जो मंदबुद्धि है। संजय थोडा पढा लिखा है, जबकि छोटा पुत्र और पुत्री स्कूल नहीं गए। लेकिन अचानक हुए नुकसान की भरपाई होना तो दूर की बात बात है। मगर उस पर तो संकट का पहाड टूट पडा है। इस सम्बंध में थाना अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह झाझडिया ने बताया कि गांव थान मठुई निवासी 60 वर्षीय महेंद्र मेघवाल ने मंगलवार को मामला दर्ज करवाकर बताया कि 22 अप्रैल 2024 की रात्रि को हमेशा की तरह वह अपने खेत में बने रिवाडे में अपनी भेड बकरियों को बंद करके रात्रि को सो गया था। पीडित ने बताया कि मध्य रात्रि 1.30 बजे के लगभग भेड बकरियों के शोर की आवाज सुनाई दी तो वह उठकर मवेसियों के पास जाकर देखा तो 3 बकरी, 14 भेड मृत अवस्था में पाई गई। तथा 7 भेड गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिली, यह देखकर वह घबरा गया तथा अपने पुत्र को आवाज देकर मौके पर बुलाया तथा आसपास काफी जगह पर अज्ञात जानवर के पद चिन्ह देखें। जिससे लगता है कि कोई अज्ञात जानवर ने उसके रिवाडे में घूसकर भेड बकरियों को मार डाला। सूचना पर राजगढ थाना पुलिस ने घटना का मौका निरीक्षण किया है तथा मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं पशु चिकित्सक भी मौके पर पहुंचे एवं मृत मवेसियों का पोस्टमार्टम करने की कार्रवाई की है।

मठुई बंधी भेड़-बकरियों पर किसी अज्ञात जानवर द्वारा हमला ।

ओवरलोड ट्रोले ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मारी, तीन पुलिसकर्मियों की दर्दनाक मौत

पाटन थाने की डीआई जीप में सवार तीनों पुलिसकर्मी जो पुलिस अधीक्षक की एस्कॉर्ट में थे

पाटन थानांतर्गत रामपुर घाटी के पास हुये हादसे में पुलिस की गाड़ी चकनाचूर हो गई।

हादसे के बाद घायल पुलिसकर्मियों को अस्पताल ले जाया गया।

- घटना के दौरान पुलिस अधीक्षक की गाड़ी पीछे थी गनीमत रही कि गाड़ी भी बाल-बाल बच गई

पाटन, (निसं)। पाटन थानांतर्गत रामपुर घाटी के पास एक ओवरलोड ट्रोले ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे रोड़ी से भरा ट्रोला पलट गया। दुर्घटना में तीन पुलिस कर्मियों की दर्दनाक मौत हो गई।

पाटन थाने की डीआई जीप में सवार तीनों पुलिसकर्मी पुलिस अधीक्षक की एस्कॉर्ट में थे, जिसमें चालक भंवरलाल (52) पुत्र छोटूराम यादव निवासी कोटड़ी खंडेला, कांस्टेबल महिपाल कसाना (38) पुत्र लीलाराम कसाना निवासी सुंदरपुरा जिला कोटपूतली, हेड कांस्टेबल शीशराम चौधरी (55) पुत्र चौथुराम निवासी जयरामपुरा श्रीमाधोपुर, पुलिस अधीक्षक की एस्कॉर्ट में शामिल थे, जो मोठूका में लगाए गए पुलिस नाके की जांच कर वापस पाटन की तरफ आ रहे थे। इसी दौरान रामपुरा घाटी के नीचे घुमाव में रोड़ी से भरा हुआ ट्रोला अपना संतुलन खो बैठा और उन्होंने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर से ट्रॉले की ट्राली पलट कर गिर गई और पुलिस की जीप चीपक गई जिससे तीनों पुलिसकर्मियों की दर्दनाक मौत हो गई। हालांकि हेड कांस्टेबल शीशराम चौधरी को कुछ श्वांस आ रहा था जिसको पाटन से कोटपूतली के लिए रैफर किया गया परंतु गंभीर स्थिति के चलते उन्होंने भी दम तोड़ दिया। घटना के दौरान पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार नूनावत की गाड़ी पीछे थी गनीमत रही कि पुलिस अधीक्षक की गाड़ी भी बाल बाल बच गई। देखते ही देखते घटना स्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई और बड़ी मुश्किल से शीशराम को गाड़ी से बाहर निकाला गया, उसके बाद दोनों शवों को गाड़ी से बाहर निकाल कर राजकीय रेफरल चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया।

मौके पर सीकर आईजी सत्येन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार नूनावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गिरधारी लाल शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक अनूप डाल, नीमकाथाना सदर थाना इंचार्ज विजय सिंह, कोतवाली थाना प्रभारी, पाटन थाना अधिकारी नेकीराम चौधरी, डाबला थाना इंचार्ज महेंद्र मीणा मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार करवाया तथा मेडिकल बोर्ड से तीनों शवों का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सुपुर्द किया गया।

गॉड ऑफ ऑनर के साथ होगा तीनों शवों का दाह संस्कार :- इस बारे में पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि दुर्घटना में जान गवाने वाले कोटपूतली जिले के सुंदरपुरा निवासी महिपाल कसाना, नीमकाथाना जिले के श्रीमाधोपुर तहसील के जयरामपुरा के रहने वाले शीशराम चौधरी, और सीकर जिले की खंडेला तहसील के कोटडी के रहने वाले भंवरलाल का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में गॉड ऑफ ऑनर के साथ किया जाएगा।

एक करोड़ का 2245 किलो डोडा-पोस्त बरामद

- एंटी नारकोटिक्स सेल ने डोडा-पोस्त से भरे हुए ट्रक तथा आरोपी को गिरफ्तार किया
- डोडा-पोस्त की खेप को रांची से लाया गया था तथा श्री गंगानगर में सप्लाई किया जाना था
- आरोपियों ने ट्रक को काली तिरपाल से ढककर ट्रक के आगे 'आर्मी ऑन ड्यूटी' लिखवा रखा था

श्रीगंगानगर, (निसं)। हरियाणा में सिरसा जिला की एंटी नारकोटिक्स सेल ने एक सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए डोडा-चूरा पोस्त से भरे एक ट्रक को दिल्ली सिरसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर डिंग मोड़ के पास पकड़ा। इस ट्रक से 22 क्विंटल 45 किलो डोडा-पोस्त बरामद किया गया है। इसकी कीमत पुलिस एक करोड़ रुपए आंक रही है। हरियाणा में मौजूदा वर्ष की जिला सिरसा पुलिस ने सबसे बड़ी खेप पकड़ी है। इस खेप को रांची से लाया गया था तथा पड़ोसी राज्य राजस्थान के श्री गंगानगर में सप्लाई किया जाना था। बताया जा रहा है कि इस खेप का असली मालिक गंगानगर क्षेत्र का ही है।

पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान विकास कुमार पुत्र बीरबल राम निवासी 2-जी तहसील जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान के रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड हासिल किया जाएगा और रिमांड अवधि के दौरान डोडा-पोस्त चूरा पोस्त तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी हासिल कर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि जिले की एंटी नारकोटिक्स सेल, सिरसा के प्रभारी सब इंस्पेक्टर अजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए डिंग रोड क्षेत्र से डोडा-पोस्त से भरे हुए उक्त ट्रक तथा आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में नियमानुसार ट्रक की तलाशी लेने पर 117 प्लास्टिक कट्टों में भरा हुआ 2245 किलोग्राम डोडा चूरा-पोस्त बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में डिग थाना में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि उक्त डोडा-चूरा पोस्त झारखंड के रांची क्षेत्र से लाया गया था और उसे राजस्थान के श्रीगंगानगर क्षेत्र में सप्लाई किया जाना था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपियों ने उक्त ट्रक को काली तिरपाल से ढककर ट्रक के आगे 'आर्मी ऑन ड्यूटी' लिखवा रखा था। पुलिस के पास इस संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी थी, इसलिए आरोपी अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके।

टैक्टर-ट्रॉली में पीछे से घुसा ट्रेलर, युवक की मौत, पति-पत्नी घायल

ट्रैक्टर-ट्रॉली सवार अरौदा से जागरण में शामिल होकर लौट रहे थे

गांव बेरी के पास ट्रेलर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी।

- फोरलेन पर आवारा जानवरों को बचाने के प्रयास में हुआ हादसा

हलैना, (निसं)। जयपुर-आगरा नेशनल हाइवे-21 स्थित हलैना थाना क्षेत्र के गांव बेरी के पास मंगलवार को सुबह फोरलेन पर आवारा जानवरों को बचाने के प्रयास में एक ट्रेलर ने आगे चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली में टक्कर मार दी। हादसे में टैक्टर-ट्रॉली में सवार 30 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई और एक दम्पति गम्भीर रूप से घायल हो गया, जबकि ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार अन्य आधा दर्जन से अधिक लोग बाल-बाल बच गए।

टैक्टर-ट्रॉली में सवार लोग नदबई थाना के गांव अरौदा से धार्मिक कार्यक्रम के तहत हुए रात्रि जागरण में शामिल होकर वैर थाना के गांव प्रेमनगर व हिसामडा लौट रहे थे। हादसा की भनक तथा घायल लोगों की मदद को टोल वसूल कम्पनी की सुरक्षा व मेडिकल टीम नहीं आने पर गांव अरौदा, हिसामडा व प्रेमनगर के लोगों ने जयपुर नेशनल हाइवे-21 को अवरूद्ध करने का प्रयास किया, लेकिन सूचना पर पहुंचे हलैना थाना प्रभारी बृजेन्द्र शर्मा ने हाइवे मार्ग को अवरूद्ध करने वाले लोगों को समझाया और मृतक व घायल लोगों को उपचार के लिए हलैना स्थित राजकीय सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया और क्षतिग्रस्त वाहनों को फोरलेन से हटवा कर यातायात सुचारू कराया। पुलिस ने ट्रेलर व टैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर हादसा स्थल से फरार हुए टलर के चालक एवं खलासी की तलाश की।

वैर सर्किल के अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक जयनारायण मीणा ने बताया कि जयपुर नेशनल हाइवे के गांव बेरी के पास करीब सात बजे सड़क हादसे की सूचना प्राप्त हुई और हलैना थाना प्रभारी बृजेश शर्मा मय जाप्ता के हादसा स्थल पहुंचे, जहां ट्रेलर और टैक्टर-ट्रॉली की टक्कर हो गई। ट्रेलर ने टैक्टर-ट्रॉली में पीछे से टक्कर मारी। हादसा में ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार अशोक कुमार सैनी पुत्र महेशचन्द सैनी की मौके पर ही मौत हो गई तथा गांव हिसामडा निवासी मांगीलाल सैनी पुत्र भोलीराम सैनी एवं चन्द्रकला देवी पत्नी मांगीलाल सैनी घायल हो गए। मृतक अशोक कुमार सैनी के शव तथा घायल मांगीलाल व उसकी पत्नी चन्द्रकला देवी को हलैना के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गए, जहां घायल मांगीलाल सैनी व चन्द्रवती देवी को भरतपुर रैफर कर दिया। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया।

ये सभी लोग सोमवार को गांव अरौदा में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे,जो मंगलवार को सुबह जलपान लेकर लौट रहे थे। लौटते समय पीछे से एक ट्रेलर ने टक्कर मार दी।

हादसे में दो युवकों की मौत

सड़क के नीचे गड्ढे में दो युवक मृत अवस्था में पड़े मिले।

टोंक, (निसं)। पीपलू उपखंड क्षेत्र के नाथडी से ढूंढिया के बीच सड़क हादसे में दो बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। जानकारी अनुसार मंगलवार सुबह नाथडी से ढूंढिया के बीच घुमाव के यहां बने खुर्रे समीप सड़क के नीचे गड्ढे में दो युवक मृत अवस्था में पड़े थे। इनमें से एक बाइक से उलझा हुआ पड़ा था, दूसरा युवक थोड़ी दूर पड़ा हुआ था।।

इसकी जानकारी वहां से गुजर रहे राहगीरों ने पीपलू पुलिस को दी। जिस पर थानाधिकारी बृजेंद्र सिंह मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे तथा दोनों युवकों को पीपलू अस्पताल लेकर पहुंचे जहां दोनों युवकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया एवं परिजनों के पहुंचने पर शव का पोस्टमार्टम करवाकर सुपुर्द कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों मृतक बलराम पुत्र प्रभुलाल निवासी महापुरा, चौथ का बरवाड़ा तथा मनीष पुत्र रतनलाल जाट निवासी नला थाना बरौनी ढूंढिया है, जो सोमवार को एक शादी समारोह में हिस्सा लेने आए थे। बलराम शादीशुदा था, प्राइवेट गाड़ी चलाता था, पिता खेती करते है। वही मनीष टोंक रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। पिता रामरतन ने बताया की वह इकलौता पुत्र था, उनके कोई संतान नहीं हैं। दोनों युवकों के परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां उन्हें मृत देखकर माता, पिता, भाई आदि का रो रोकर बुरा हाल था।

बदमाशों ने महिला की हत्या कर कुएं में डाला

पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने लोगों से समझाइश की।

- बैरवा समाज के लोगों ने नायब तहसीलदार को दिया ज्ञापन
- मृतका के हत्यारों को गिरफ्तार कर सजा दिलाने की मांग

भीलवाड़ा, (निसं)। जहाजपुर पण्डेर थाना क्षेत्र के भीलड़ी ग्राम में गत रात्रि को एक महिला का दरिंदों द्वारा हत्या कर कुएं में डाल दिया गया। मृतका के परिजनों को न्याय दिलवाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर विचार मंच ने नायब तहसीलदार सत्यनारायण आचार्य को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि मृतका के हत्यारों को तत्काल गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने, मृतका के परिवार को राशि पच्चीस लाख रूपये की आर्थिक सहायता दिलाने, पुलिस थाना पण्डेर में सूचना देने के बाद भी सुनवाई कार्यवाही नहीं की गई जिसकी जांच की जाने, परिवार में से किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिलवाने, परिवार को इसी समय पुलिस सुरक्षा प्रदान कराई जाए आदि मांगें अगले 3 दिवस के अन्दर स्वीकार की जानी चाहिए। वहीं लोगों ने कहा कि अन्यथा बैरवा समाज के द्वारा सड़क पर चक्का जाम लगा कर मांगे मनवाने का प्रयास किया जायेगा। इस दौरान शाहपुरा पुलिस उपाधीक्षक रमेश तिवारी, जहाजपुर थानाधिकारी नरपत सिंह बाना, जमोली सरपंच देवराज गुर्जर, पंडेर सरपंच पति मुकेश चौधरी, टिटोड़ी पूर्व सरपंच राजकुमार जाट, रामप्रसाद मेघवंशी, अशोक चानाल सहित ग्रामीण मौजूद थे।

पाली में भाजपा-कांग्रेस की सीधी टक्कर, दोनों पार्टियों का ध्यान ग्रामीण क्षेत्र पर

- भाजपा ने तीसरी बार वर्तमान सांसद पीपी चौधरी पर दाव खेला है, वहीं कांग्रेस ने जोधपुर निवासी संगीता बेनीवाल को उतारा है
- चर्चा है कि नया चेहरा होने के कारण संगीता बेनीवाल की जीत मुश्किल नजर आ रही है, वहीं भाजपा नेताओं के हौसले बुलंद हैं

पाली, (निसं)। चुनाव आयोग के निर्देश के बाद इस बार लोकसभा चुनाव के तीन दिन शेष रहते हुए पाली शहर में कोई विशेष हलचल नहीं है, न ही बैनर पोस्टर बाजी, झंडा नजर नहीं आए। बड़ी आम सभा अभी तक दोनों पार्टियों ने की है।

पाली लोकसभा क्षेत्र में पाली, सोजत, बाली, सुमेरपुर, मारवाड़ जंक्शन, ओसियां, भोपालगढ़, बिलाड़ा आठ तहसील शामिल है, जिसमें करीब 23 लाख से ज्यादा मतदाता अपना मतदान करेंगे। जिसमें जाट,चौधरी, राजपुरोहित, ब्राह्मण राजपूत, ओबीसी अन्य जाति का समीकरण है। जहां भाजपा ने तीसरी बार वर्तमान सांसद पीपी चौधरी पर दाव खेला है, वहीं कांग्रेस द्वारा जोधपुर निवासी संगीता बेनीवाल को उतारा गया है। यहां पर कुल 13 प्रत्याशी खड़े हैं, लेकिन टक्कर कांग्रेस-बीजेपी में ही है।

पिछले 10 साल पीपी चौधरी सांसद और मंत्री रहते हुए कई कार्य मोदी सरकार के राज में करे हैं, जिसके कारण आठों तहसील में उनको जनता जानती हैं, लेकिन संगीता बेनीवाल के लिए पूरा क्षेत्र नया है। लेट टिकट नाम की घोषणा के बाद वह पूरे तहसील में घूम रही है। वर्तमान में भाजपा के प्रत्याशी कांग्रेस से आगे हैं। भाजपा नेता चार से पांच लाख की जीत बताते हैं। पाली जिले को छोड़ भोपालगढ ओसियां में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मीटिंग ले चुके हैं, भाजपा से अमित शाह बड़े नेता के रूप में भोपालगढ़ में मीटिंग ले चुके हैं। पिछले 30 वर्षों में दो बार पुष्प जैन, एक बार कांग्रेस के बद्री जाखड़, फिर दो बार पी पी चौधरी जीते थे। मुख्यमंत्री भजनलाल ओसिया और बाली में आम सभा कर चुके हैं। जहां भाजपा की कमान उनके विधायक मंत्री संभाल रहे हैं। संगीता को खुद हर क्षेत्र में वहां के नेता के साथ प्रचार का दौरा कर रही है, लेकिन पाली शहर में अभी तक किसी की मीटिंग नहीं हुई। चर्चा है कि नया चेहरा होने के कारण संगीता बेनीवाल की जीत मुश्किल नजर आ रही है। भाजपा नेताओं के हौसले बुलंद है।

पी.पी. चौधरी के समर्थन में कंगना रनौत ने रोड शो किया

पाली में भाजपा लोकसभा प्रत्याशी पीपी चौधरी के समर्थन में अभिनेत्री कंगना रनौत ने रोड शो किया।

पाली, (निसं)। पाली शहर में भाजपा लोकसभा प्रत्याशी पीपी चौधरी के समर्थन में मंगलवार को फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत का रोड शो पुराना बस स्टैंड भाजपा जिला कार्यालय से ढोल धमाके डीजे पर भाजपा के गीत, जय श्री राम के नारे के साथ रवाना हुआ।

इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता केसरिया साफा पहन हाथों में भाजपा का ध्वजालहराते हुए चल रहे थे। वहीं महिला मोर्चा की महिलाएं कमल के फूल निशान की साड़ियां पहने सर पर सफा बांधे चल रही थी। दो डीजे की गाड़ी, प्रसिद्ध नासिक ढोल की गूंज के साथ एक खुली गाड़ी में प्रत्याशी पी पी चौधरी, कंगना रनौत, सोजत विधायक शोभा चौहान, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख साथ थे। कंगना रनौत बीच में माइक पर जय श्री राम, अबकी बार 400 पर का नारा लगा रही थी और जनता का अभिवादन कर रही थी।

कंगना रनौत का जोधपुर में रोड शो

जोधपुर, (कासं)। बॉलीवुड एक्ट्रेस व भाजपा से हिमाचल के मंडी लोकसभा प्रत्याशी कंगना रनौत जोधपुर पहुंची। एयरपोर्ट पर कंगना ने जय श्री राम का नारा लगाया। यहां से पाली के लिए रवाना हुई। पाली में रोड शो के बाद जोधपुर आकर शाम सात बजे लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी गजेन्द्र सिंह शेखावत के समर्थन में वोट मांगे। जोधपुर में रोड शो के बाद कंगना ने होटल में भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ चाय पर चर्चा की। कंगना रात को जोधपुर में ही विश्राम किया। जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सालेचा ने बताया कि रोड शो सूरसागर विधानसभा क्षेत्र सेटेलाइट हॉस्पिटल हाउसिंग बोर्ड में शाम को रोड शो किया। रोड शो में केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री व जोधपुर लोकसभा प्रत्याशी गजेन्द्र सिंह शेखावत, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, केबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, जीव-जन्तु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सालेचा, सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी, शहर विधायक अतुल भंसाली, लोकसभा संयोजक राजेन्द्र कुमार गहलोत, सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

युवक ने विषाक्त पदार्थ खाकर आत्महत्या की

बंजारा समाज के लोगों ने नमाना थाने के बाहर शव को रखकर प्रदर्शन किया।

बूंदी, (निसं)। बंजारा समाज के लोगों ने मंगलवार को नमाना थाने के बाहर गणेशपुरा निवासी लक्ष्मण बंजारा का शव रख आत्महत्या के लिए उकसाने वाले की गिरफ्तारी की मांग की।

समाज के लोगों का कहना है कि बलराम गुर्जर के खेत पर लक्ष्मण बंजारा हाली था। बलराम और जुगराज ने लक्ष्मण के साथ किसी बात को लेकर मारपीट की, जिससे उसके शरीर पर चोटें आई। दोनों भाईयों ने लक्ष्मण को मारने की धमकी भी दी। जिससे हताश होकर लक्ष्मण बंजारा ने 19 अप्रैल को विषाक्त पदार्थ का सेवन कर अपनी जीवन लीला समाप्त करने की कोशिश की। कोटा इलाज के दौरान बीती रात लक्ष्मण की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

बंजारा समाज अध्यक्ष प्रकाश बंजारा के नेतृत्व में परिवार व समाज के लोग शव को थाने के बाहर रखकर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। तालेड़ा पुलिस उपाधीक्षक तरूण कांत सोमानी को ज्ञापन देकर अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। थाना अधिकरी धर्माराम ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रिफाइनरी बड़ा प्रोजेक्ट, काम तेजी पर है : सुधांश पंत

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश सरकार में मुख्य सचिव सुधांश पंत आज जयपुर के रवाना हो गए। वे सोमवार को बाड़मेर पचपदरा में बन रही रिफाइनरी के कार्य को देखने के साथ समीक्षा बैठक में गए थे। लौटते समय एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की और कहा कि यह बड़ा प्रोजेक्ट है और काम तेजी पर चल रहा है। साइट विजिट को मौके पर देखा है। संबंधित अधिकारियों एचपीसीएल आदि के साथ चर्चा हुई है। तेज गति से काम चल रहा है। पंत ने कहा कि कोई एक यूनिट नहीं उसमें दस यूनिट है, सभी पर विस्तृत चर्चा की गई है। सभी का काम अलग-अलग समय में पूरा होगा। काम कब पूरा होगा उन सभी बिंदूओं पर चर्चा हुई है। आशा करते है कि काम जल्दी से पूर्ण हो जाए।

अंग प्रत्यारोपण के लिए जनरेट करनी होगी डोनर और रिसीवर की यूनिक आई.डी.

राजकीय और निजी अस्पतालों में मानव अंग प्रत्यारोपण में पारदर्शिता के लिए चिकित्सा विभाग ने कदम उठाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश के राजकीय व निजी अस्पतालों में मानव अंग व ऊतक प्रत्यारोपण में पूरी पारदर्शिता बनी रहे, इसके लिए तकनीकी उपाय सुनिश्चित किए जाएंगे। प्रत्येक प्रत्यारोपण के लिए डोनर और रिसीवर की यूनिक नोटो-आईडी जनरेट की जाएगी। इसके बिना प्रत्यारोपण संभव नहीं होगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के निर्देश पर मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण राजस्थान की समुचित प्राधिकारी डॉ. रश्मि गुप्ता ने इस संबंध में मानव अंगों के प्रत्यारोपण के लिए अधिकृत राजकीय अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षकों एवं निजी अस्पतालों के प्रबंध निदेशकों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

दिशा निर्देशों के अनुसार मानव अंग एवं ऊतकों के प्रत्यारोपण के लिए अधिकृत राजकीय या निजी अस्पताल को प्रत्यारोपण के लिए नोटो की वेबसाइट पर जाकर अनिवार्य रूप से यूनिक नोटो-आईडी जनरेट करनी होगी। जीवित या मृतक दोनों ही डोनर के अंगों का आंवटन करने हेतु यूनिक आईडी जनरेट करना अनिवार्य होगा। यह आईडी प्रत्यारोपण सर्जरी के 48 घंटों के भीतर जनरेट करनी होगी। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए नोटो के ऑफिस में दूरभाष नम्बर 011-26164770 एवं टोल फ्री नम्बर 1800-11-4770 पर सम्पर्क किया जा सकता है। साथ ही नोटो की ईमेल आईडी .. के माध्यम से भी जानकारी ली जा सकती है।

समुचित प्राधिकारी ने यह दिशा निर्देश सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर, न्यू हॉस्पिटल मेडिकल कॉलेज कोटा, एम्स जोधपुर, माथुरादास माथुर हॉस्पिटल जोधपुर तथा जयपुर के मोनीलेक हॉस्पिटल, अपेक्स हॉस्पिटल, निम्स हॉस्पिटल, नारायणा हॉस्पिटल, ईएचसीसी हॉस्पिटल, मणिपाल हॉस्पिटल, संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल, सीके बिड़ला हॉस्पिटल, महात्मा गांधी हॉस्पिटल, फोर्टिस हॉस्पिटल एवं उदयपुर के गीतांजलि हॉस्पिटल को जारी किए हैं। इन दिशा निर्देशों की 2 दिवस में पालना कर समुचित प्राधिकारी को सूचित करना होगा।

समुचित प्राधिकारी डॉ. रश्मि गुप्ता ने सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर, न्यू हॉस्पिटल मेडिकल कॉलेज कोटा, एम्स जोधपुर, माथुरादास माथुर हॉस्पिटल जोधपुर तथा जयपुर के मोनीलेक हॉस्पिटल, अपेक्स हॉस्पिटल, निम्स हॉस्पिटल, नारायणा हॉस्पिटल, ईएचसीसी हॉस्पिटल, मणिपाल हॉस्पिटल, संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल, सीके बिड़ला हॉस्पिटल, महात्मा गांधी हॉस्पिटल, फोर्टिस हॉस्पिटल एवं उदयपुर के गीतांजलि हॉस्पिटल को दिशा निर्देश जारी किए । इन दिशा निर्देशों की 2 दिवस में पालना कर समुचित प्राधिकारी को सूचित करना होगा।

श्री मनसापूरण हनुमान मन्दिर में हनुमान जन्मोत्सव मनाया

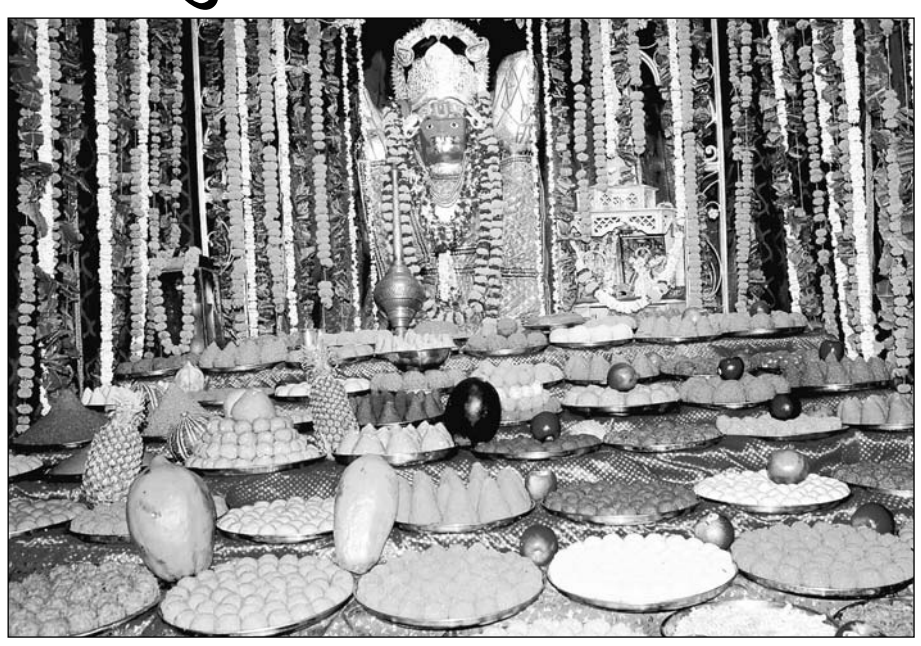

जयपुर, (का.सं.)। करतारपुरा के श्री मनसापूरण हनुमान मन्दिर में दो दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मन्दिर महंत राधेश्याम लल्लू महाराज के सानिध्य में हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के तहत 23 अप्रेल को हनुमान जन्मोत्सव के दिन श्री मनसापूरण हनुमान जी का प्रात 8 बजे वैदिक मंत्रोचार के साथ दुग्धाभिषेक एवं रूद्रपाठ किया गया। संध्याकाल में 11000 लड्डुओं का भोग लगा कर महाआरती की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

साथ ही मंदिर में बालाजी की आकर्षक फूल बंगला झांकी सजाई गई। इस दौरान भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें कई ख्याति प्राप्त गायक कलाकारों ने अपने भजनों से प्रभु का गुणगान किया। भजन संध्या में गायक कलाकारों ने अपने भजन प्रस्तुतियों से वीर बजरंग बली को रिझाया तो सजीव झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। देर रात तक चले कार्यक्रम में नाचते गाते वीर बजरंगबली का जयकारा लगाते हुए आनंद के साथ हनुमान जन्मोत्सव मनाया।

सोटो एवं स्टीयरिंग कमेटी का होगा पुनर्गठन

चिकित्सा शिक्षा आयुक्त ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य को दिए निर्देश

जयपुर । प्रदेश में सुगमतापूर्वक एवं नियमानुसार मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण के लिए स्टेट ऑर्गन एण्ड टिश्यू ट्रांसप्लांटेशन ऑर्गेनाइजेशन (सोटो) का पुनर्गठन किया जाएगा। साथ ही सोटो के सुगम कार्य संचालन, प्लानिंग एवं नेशनल ऑर्गन एण्ड टिश्यू ट्रांसप्लांट प्रोग्राम की गाइडलाइन के अनुसार गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए स्टीयरिंग कमेटी का भी पुनर्गठन किया जाएगा।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा शुभ्रा सिंह के निर्देशों के बाद चिकित्सा शिक्षा आयुक्त ने सोटो एवं स्टीयरिंग कमेटी के पुनर्गठन के लिए सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक को पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं। पत्र में कहा गया है कि स्टेट ऑर्गन एण्ड टिश्यू ट्रांसप्लांटेशन ऑर्गेनाइजेशन के संयुक्त निदेशक डॉ. अमरजीत मेहता द्वारा अपना त्यागपत्र दे दिया गया है, इसलिए नेशनल ऑर्गन एण्ड टिश्यू ट्रांसप्लांट गाइडलाइन के अनुसार सोटो का पुनर्गठन शीघ्र कराया जाए। साथ ही सोटो के सुचारू संचालन के लिए स्टीयरिंग कमेटी का पुनर्गठन भी नियमानुसार कराया जाए।

दूसरे चरण के लिये आज थमेगा प्रचार-प्रसार

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि राजस्थान में लोकसभा आम चुनाव-2024 के द्वितीय चरण में मतदान के अंतिम 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार गतिविधियां 24 अप्रैल शाम 6 बजे से थम जाएंगी। दूसरे चरण में 13 लोकसभा क्षेत्रों टोंक-सवाईमाधोपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर, उदयपुर, बांसवाड़ा, चितौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, कोटा और झालावाड़-बारां में 26 अप्रैल को मतदान होगा।

डेंटिस्ट भी 62 साल की उम्र तक सेवा के हकदार : हाईकोर्ट

जयपुर।हाईकोर्ट ने डेंटिस्ट की रिटायरमेंट उम्र से जुडे मामले में कहा है कि वे भी 62 साल की उम्र पूरी होने तक सेवा में बने रहने के हकदार हैं। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता डेंटिस्ट को 62 साल की उम्र तक काम करते रहने के लिए कहा है। अदालत ने राज्य सरकार को कहा कि यदि इस संबंध में कोई विपरीत आदेश जारी किया हो तो उसे तत्काल वापस लिया जाए। सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ. बंशीधर वर्मा की याचिका को मंजूर करते हुए दिए।

याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने सामान्य एमबीबीएस डॉक्टर्स की रिटायरमेंट उम्र 60 साल से बढाकर 62 साल कर दी है, लेकिन बीडीएस डॉक्टर्स यानि डेंटिस्ट की रिटायरमेंट उम्र 60 साल ही बरकरार रखी है। जबकि डेंटिस्ट व एमबीबीएस के भर्ती नियम समान ही हैं। याचिकाकर्ता 60 साल की उम्र पूरी होने पर 30 अप्रैल को रिटायर होने जा रहा है। इसलिए उसे 60 साल की बजाय 62 साल की उम्र पर रिटायर किया जाए और तब तक सेवा में बने रहने दिया जाए। जवाब में राज्य के एजी राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि एमबीबीएस एलोपैथी डॉक्टर्स की रिटायरमेंट उम्र ही 60 साल से बढ़ाकर 62 साल की थी। जबकि इस मुद्दे से जुडे मामले को राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी के जरिए चुनौती दी थी।

हाईकोर्ट ने मांगा स्पष्टीकरण

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक को बिना कारण निलंबित करने से जुडे मामले में दो साल बाद भी जवाब पेश नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने इस संबंध में 13 मई तक स्पष्टीकरण नहीं देने पर अतिरिक्त मुख्य शिक्षा सचिव और प्रारंभिक शिक्षा निदेशक को पेश होने को कहा है। वहीं अदालत ने याचिकाकर्ता शिक्षक के निलंबन आदेश पर रोक लगा दी है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश भंवरलाल गुर्जर की याचिका पर दिए।

पुलिस आयुक्त जयपुर बीजू जॉर्ज जोसफ के निर्देश पर यातायात पुलिस जयपुर की ओर से आमजन को सुगम एवं सुरक्षित यातायात उपलब्ध कराया जा रहा है। यातायात नियमों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से आमजन में राजस्थान रॉयल्स क्रिकेट टीम का सहयोग से यातायात जनजागरूकता वाहन रैली का आयोजन किया गया।

उपार्जित अवकाश के भुगतान की वसूली पर रोक लगाई

जयपुर। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने रिटायर शिक्षक को किए गए उपार्जित अवकाश के भुगतान की वसूली पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अधिकरण ने प्रमुख शिक्षा सचिव, माध्यमिक शिक्षा निदेशक और संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी से जवाब तलब किया है। अधिकरण ने यह आदेश राकेश कुमार शर्मा की अपील पर दिए।

अपील में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अधिकरण को बताया कि अपीलार्थी की नियुक्ति वर्ष 1995 में अनुदानित कॉलेज में हुई थी। वहीं वर्ष 2011 में राजस्थान स्वेच्छया ग्रामीण शिक्षा सेवा नियम लागू होने पर अपीलार्थी का समायोजन सरकारी कॉलेज में कर दिया गया।

गुजरात के बनासकांठा में भ्रूण लिंग परीक्षण कराते दलाल पकड़ा

जयपुर। राजस्थान पी. सी. पी. एन. डी. टी. प्रकोष्ठ ने सोमवार को गुजरात के बनासकांठा के धानेरा में सफल डिकॉय ऑपरेशन करते हुए भ्रूण लिंग परीक्षण में शामिल दलाल राजूराम विश्नोई पुत्र हरिराम विश्नोई निवासी सांकड़ जिला सांचौर हाल संविदाकर्मी जीएनएम पीएचसी सांकड़ जिला सांचौर को गिरफ्तार किया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शुभ्रा सिंह ने बताया कि पिछले दिनों पीसीपीएनडीटी सेल जयपुर को जालौर जिले के आसपास के क्षेत्र में भ्रूण लिंग जांच की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना की पुष्टि के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पीसीपीएनडीटी श्री के.के. अवस्थी के निर्देशन में टीम का गठन किया गया। डिकॉय ऑपरेशन के लिए तैयार कार्ययोजना के तहत निरीक्षण दल जालौर पहुंचा। डिकॉय टीम ने दलाल से सम्पर्क किया, जो कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सांकड में संविदा रूप में जीएनएम पद पर कार्यरत है। दलाल गर्भवती महिला को भ्रूण लिंग जांच के लिए सीमावर्ती राज्य गुजरात ले जाने के लिए तैयार हो गया तथा भ्रूण लिंग परीक्षण की एवज में 45 हजार रुपये एडवांस प्राप्त कर लिए। दलाल गर्भवती महिला को पूजा हॉस्पिटल धनेरा बनासकांठा गुजरात में लेकर गया। टीम में सर्तकता और सावधानी से लगातार दलाल का पीछा किया। गर्भवती महिला के इशारे उपरांत टीम ने दबिश देकर दलाल राजूराम को गिरफ्तार कर लिया।

राजूराम विश्नोई

अनुसंधान में पता चला कि दलाल ने धोखाधड़ी करते हुए गर्भवती को पूजा हॉस्पिटल धनेरा बनासकांठा गुजरात में ले जाकर डॉक्टर से गर्भवती महिला के पेट में दर्द की शिकायत कर जांच करवाई तथा बाहर निकल कर गर्भवती को भ्रूण लिंग की जानकारी दी। आरोपी दलाल के पास से भ्रूण लिंग परीक्षण के लिए ली गई राशि के हू-ब-हू नंबरी नोट भी बरामद किये है। टीम में तीन पुलिस निरीक्षक गुंजन सोनी, अनिल जैमन एवं प्रीति चेची एवं अन्य कार्मिक शामिल रहे। कांस्टेबल कैलाश, ललित मुकेश एवं शानू तथा जिला समन्वयक पीसीपीएनडीटी शंकर सुथार, पाली के महेश कुमार की भी भूमिका रही।

राजस्थान पी.सी.पी.एन.डी.टी. टीम का सफल डिकॉय ऑपरेशन

चौथी मंजिल से कूदकर युवक ने आत्महत्या की

जयपुर । जालूपुरा थाना इलाके में स्थित के गणपति प्लाजा की चौथी मंजिल से मंगलवार की दोपहर कूद कर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। जो चौथी मंजिल पर स्थित शेखावाटी कॉम्प्लेक्स ऑफिस बॉय का काम करता था।

यही पर बने हुए एक कमरे में रहता था। पुलिस ने मृतक की जेब से मोबाइल और कुछ अन्य सामान सीज किया हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मुंह दबाकर महिला की हत्या कर फरार हुआ बदमाश

जयपुर । बगरू थाना इलाके में लूट के इरादे से घर में घुसकर बदमाश ने एक महिला की मुंह दबाकर हत्या कर दी। वारदात के बाद बदमाश अंदर से दरवाजा बंद कर मकान की दत से कूदकर भाग निकला। घटना के समय परिवार के बाकी सदस्य एक शादी में गए थे। वापस लौटने पर उन्हें घटना का पता चला। पुलिस ने मामला दर्ज कर एक संदिग्ध युवक को पकडा है। पुलिस ने इस मामले में पूछताछ के लिए दस लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने जल्द ही इस हत्याकांड से पर्दा उठाने की बात कहीं है।

पुलिस ने बताया कि बारवाल की ढाणी लोहरवाड़ा वेदांत सिटी में रहने वाली हीरा देवी (51) पत्नी भीम सिंह की हत्या करना सामने आया है। यहां मृतक महिला अपने बेटे-बहू, पोता-पोती के साथ रहती थी। बीस अप्रैल को बेटा सतीश पत्नी-बच्चों के साथ अजमेर शादी में गया था। 21 अप्रैल की रात बदमाश लूट के इरादे से घर में घुस गया। घर में अकेली मौजूद मिली हीरा देवी ने बदमाश का विरोध किया तो मुंह दबाकर हत्या कर दी। लाश को बेड पर पटक कर हत्यारा फरार हो गया।

रविवार रात करीब 10.40 बजे कॉल करने पर मां हीरा देवी ने फोन नहीं उठाया। बार-बार फोन करने के बाद भी कॉल पिक नहीं किया। बड़े भाई मांगीलाल को कॉल कर भांजे पुलकित को घर भेजने के लिए कहा। भांजा पुलकित और चचेरी बहन माया और मौसी की लड़की अंजली घर पहुंचे। घर का गेट अंदर से बंद था। लाइट भी बंद थी। काफी आवाज लगाने के बाद भी मां हीरा देवी ने जबाव नहीं दिया। अनहोनी की आशंका पर गेट की कुंदी तोड़कर घर के अंदर गए। घर के अंदर जाकर कमरों में देखा। अंदर वाले कमरे में मां हीरा देवी की लाश बेड पर पड़ी हुई थी। मां की लाश देखकर परिवार के सदस्यों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। आस-पास के लोग भी इकट्ठा होकर घर पहुंच गए। मर्डर की सूचना पर बगरू थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। मां हीरा देवी के गले पर चोट के निशान थे। पास ही तकिया पड़ा हुआ था।

मां हीरा देवी की हत्या के बाद बदमाश ने घर को अंदर से लॉक कर दिया था। सभी लाइट बंद कर दी। इससे किसी को शक नहीं हो। उसके बाद छत पर पहुंचा। गेट को बाहर से लॉक कर हत्यारा कूदकर भाग निकला। जब लोग घर पर एकत्रित हुए इस दौरान घर के पास एक मोबाइल की लाइट जलती दिखी। लोगों ने उस युवक को पकड़ लिया। पकड़ा गया राजू छीपा बगरू का रहने वाला है। नशेड़ी प्रवृत्ति का राजू अक्सर घर के पास आता-जाता रहता था। कई बार उसे घर के आस-पास घूमने से मना भी किया था। संदिग्ध को पकड़ कर लोगों ने बगरू थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस फिलहाल पूछताछ कर जल्द ही हत्या के मामले का खुलासा करने का प्रयास कर रही है।

लूट के इरादे से घर में घुसे बदमाश ने की वारदात

भंवर जितेन्द्र सिंह के खिलाफ चल रही अदालती कार्रवाई रद्द

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बूंदी राजघराने की संपत्तियों के धोखाधड़ी से जुड़े मामले में राजीनामा होने के चलते पूर्व केन्द्रीय मंत्री भंवर जितेन्द्र सिंह सहित अन्य के खिलाफ बूंदी के एसीजेएम कोर्ट में चल रही कार्रवाई को रद्द कर दिया है। जस्टिस अनिल उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश जितेन्द्र सिंह व अन्य की याचिका पर दिए।

भंवर जितेन्द्र सिंह के अधिवक्ता पंकज गुप्ता ने बताया कि याचिका में प्रार्थी के खिलाफ बूंदी के कोतवाली थाने में वर्ष 2017 में दर्ज एफआईआर व ट्रायल कोर्ट की कार्रवाई को रद्द करने का आग्रह किया गया था।

मामले के अनुसार अविनाश चानना ने भंवर जितेन्द्र सिंह सहित अन्य के खिलाफ 2017 में कोतवाली पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया था कि बूंदी रियासत की संपत्ति की वसीयत 30 मार्च 2009 को उसके पक्ष में हो गई थी, लेकिन भंवर जितेन्द्र सिंह ने अपने मामा रणजीत सिंह की वसीयत से छेड़छाड़ कर उसे अपने पक्ष में किया है। इस संपत्ति को लेकर अविनाश ने दिल्ली हाईकोर्ट में प्रोबेट भी दायर की। वहीं जितेन्द्र सिंह ने कोर्ट में सिविल दावा कर कहा था कि रणजीत सिंह ने अपनी संपत्ति को कुल देवी आशापुरा माताजी के नाम पर सरेंडर कर दिया है और वे इसके सेवायत हैं। इस मामले में दिसंबर 2018 में एफआर लग गई तो चानना ने इसे प्रोटेस्ट पिटिशन के जरिए कोर्ट में चुनौती दी।

इस दौरान अविनाश की मृत्यु हो गई तो उसके बेटे समीर व सुनील ने केस को जारी रखा। प्रोटेस्ट पिटिशन पर सीजेएम कोर्ट ने जितेन्द्र सिंह व अन्य के खिलाफ प्रसंज्ञान लेते हुए उन्हें गिरफ्तारी वारंट जारी कर कोर्ट में पेशी का निर्देश दिए।

इसे निगरानी कोर्ट में चुनौती देने पर अदालत ने गिरफ्तारी वारंट को जमानती वारंट में बदल दिया, लेकिन प्रसंज्ञान सही माना। इस दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने संपत्ति को कुलदेवी के नाम सरेंडर करना सही माना।

इसके बाद जितेन्द्र सिंह व अन्य पक्षकारों के बीच राजीनामा होने पर हाईकोर्ट में एफआईआर व ट्रायल कोर्ट की कार्रवाई को रद्द करने की गुहार की गई थी।

डॉलर दिखाकर ठगने वाली गैंग का सरगना गिरफ्तार

जयपुर । मालपुरा पुलिस ने अमेरिकन डॉलर दिखाकर ठगी करने वाली गैंग के मुख्य सरगना को बापर्दा गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी कचरा बीनने का काम करता है कचरे में विदेशी डॉलर मिलने की कहकर स्थानीय दुकानदार एवं राहगीरों को लालच में लेकर सस्ते दामों में डॉलर बेचने का झांसा देकर बडी रकम ठगता था।

पुलिस ने बताया कि मालपुरा थाना पुलिस ने अमेरिकन डॉलर दिखाकर ठगी करने वाली गैंग के मुख्य सरगना मोहम्मद समीर निवासी जोलिंगर जिला मुर्शिदाबाद कोलकाता (पश्चिम बंगाल) हाल रामसिंहपुरा सांगानेर को बापर्दा गिरफ्तार किया है।

किताब 'गुरुजी : एक गुमनाम हीरो' का विमोचन

जयपुर, (का.सं.)। विश्व पुस्तक दिवस पर मंगलवार को आरएएस क्लब में किताब 'गुरुजी : एक गुमनाम हीरो' का विमोचन किया गया। अमित असावा और रितिका पचौरी सह-लिखित यह पुस्तक भारतीय इतिहास के स्वतंत्रता सेनानी गोकुल लाल असावा के जीवन के अहम पहलुओं का सफरनामा है।

सह-लेखक अमित असावा ने कहा कि यह किताब उन लोगों की अदम्य भावना का प्रमाण है, जो अपना जीवन नेक कार्यों के लिए समर्पित करते हैं। साथ ही समाज पर प्रभावी असर छोड़ते हैं। वे केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, बल्कि शाहपुरा राज्य के पहले प्रधानमंत्री भी थे। वह कोटा राजधानी के साथ संयुक्त राजस्थान के पहले प्रधानमंत्री भी रहे। इसके अलावा उदयपुर की राजधानी के समय दूसरे संयुक्त राजस्थान के उप प्रधान मंत्री भी रहे। सामाजिक न्याय के प्रति उनके दृढ़ समर्पण, अटूट विश्वास और दूरदर्शी नेतृत्व ने राष्ट्र पर एक अमिट छाप छोड़ी। विशेष रूप से उन्होंने भारत के आधुनिक संवैधानिक ढ़ांचे को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले पैनल चर्चा हुई, जिसमें प्रिंट, डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संपादक शामिल हुए। चर्चा में किसी उद्देश्य के लिए बलिदान देने का सार, दस्तावेजीकरण की अनिवार्यता और अद्वितीय गुण शामिल रहे, जो एक सामान्य व्यक्ति को असाधारण रूप में अलग करते हैं। जैसा कि हम गोकुल लाल असावा के जीवन के इस ज्ञानवर्धक अन्वेषण पर आगे बढ़ रहे हैं।

मुहाना में व्यापारी से 71 लाख रुपए की लूट

जयपुर । मुहाना इलाके में मंगलवार को स्कॉर्पियो सवार आधा दर्जन बदमाशों ने एक व्यापारी से मारपीट कर 71 लाख रुपए लूट लिए। बदमाशों ने व्यापारी की कार में भी जमकर तोड़फोड़ की है। पीडित व्यापारी सीकर से जमीन खरीदने के लिए रुपए लेकर जयपुर आया था और वह अपने रिश्तेदार के यहां पर ठहरा हुआ था।

पुलिस के अनुसार मंगलवार शाम को सीकर निवासी देवेंद्र जांगिड कार लेकर कहीं जा रहा था। सुमेर नगर विस्तार वीटी रोड पर एक काले रंग की स्कर्पियों कार ने उसकी गाडी के आगे लगाकर उसे रोका। कार से आधा बदमाश उतरे और उसकी कार में जमकर तोड़फोड़ की। इसके बाद बदमाश व्यापारी से मारपीट कर 71 लाख रुपयों से भरा बैग छीनकर ले गए। इस पर पीडित ने घटना की जानकारी कंट्रोल रुम को दी। इस पर डीसीपी सहित पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने अपराधियों की धरपकड के लिए ए श्रेणी की नाकाबंदी करवाई है। एसीपी मानसरोवर संजय शर्मा ने बताया कि देवेंद्र जयपुर में प्रॉपर्टी खरीदने के लिए आया था और वह कुछ दिन से अपने रिश्तेदार के यहां पर रुका हुआ था। मामले में घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। वहीं कार के नम्बरों के आधार पर भी बदमाशों की धरपकड का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल बदमाश पुलिस की पकड से दूर है।

जमीन खरीदने के लिए सीकर से जयपुर आया था पीड़ित, आधा दर्जन बदमाशों ने मारपीट कर रकम लूटी

सेंट्रल जेल में मिट्टी में दबा मिला मोबाइल

जयपुर । जयपुर सेंट्रल जेल में मोबाइल मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जेल प्रशासन को तलाशी के दौरान जेल में मिट्टी में मोबाइल दबा मिला। जेल प्रशासन ने बंदी प्रदीप रावत के खिलाफ लाल कोठी थाने में मोबाइल रखने का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि जेल प्रहरी सुमेर सिंह ने मामला दर्ज करवाया है कि जेल के वार्ड नंबर 4 के बैरक नंबर 2 की तलाशी कर रहा था। इस दौरान बैरक के सामने मंदिर के पीछे मिट्टी की स्थिति देखने पर शक हुआ। उस जगह खुदाई करवाई। यहां पन्नी में बंद की-पैड वाला मोबाइल फोन मिला। प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि यह मोबाइल विचाराधीन बंदी प्रदीप रावत का है। लाल कोठी थाने के जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल जुगल किशोर ने बताया कि जेल से मिली रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज कर मोबाइल जब्त कर लिया है। कोर्ट से परमिशन लेकर जेल में बंदी से पूछताछ की जाएगी। यह मोबाइल कहां से लेकर आया और क्या काम में लेता था।

ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ तहसील क्षेत्र के-गांव लम्बोर बडी के ग्रामीणों ने एकत्रित होकर घरों के ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन विद्युत लाइन को हटवाने तथा गांव में खडे जर्जर विद्युत पोल को बदलवाने की मांग को लेकर मंगलवार को विरोध प्रदर्शन कर आक्रोश जताया।

बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। गांव के पूर्व सरपंच-कृष्ण कुमार मीणा व महेन्द्र मेघवाल ने बताया गया कि गांव में घरों के उपर से हाई टेंशन विद्युत लाइन गुजर रही है, जिसके कारण कभी भी हादसा हो सकता है तथा जर्जर विद्युत पोल पर ट्रांसफार्मर रखा हुआ है जो मुख्य रास्ते पर होने के कारण हर समय हादसा होने का अंदेशा बना रहता है। शिकायत के बावजूद अभी तक समस्या का समाधान नहीं कराया गया है। ऑनलाइन भी शिकायत दर्ज की जा चुकी है, मगर अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं। जिससे ग्रामीणों में भारी रोष है। ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान कराए जाने की मांग की है।

हनुमान मंदिर में हनुमान जयंती महोत्सव का हुआ शुभारंभ

खेतडी,(निसं)। खेतडी के राजकीय अजीत उप जिला अस्पताल परिसर में हनुमान जयंती के उपलक्ष पर मंदिर में हनुमान जयंती महोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों की ओर से बजरंगबली की पूजा अर्चना कर प्रसाद वितरण किया गया।

मंदिर में पंडित विनोद कुमार मिश्रा व अजय सुरोलिया के सानिध्य में हनुमान जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें अस्पताल के कर्मचारियों ने हनुमान चालीसा का पाठ कर बजरंगबली की जय जय कार के नारे लगाए। पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि अस्पताल परिसर में बने श्री हनुमान मंदिर में हनुमान जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें हनुमान जी की विधिवत पूजा के पश्चात महाआरती कर देशी घी के लड्डू का भोग लगाया गया। वहीं श्रद्धालुओं ने करीब तीन घंटे तक भजन कीर्तन कर हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस दौरान मंदिर प्रांगण में बजरंगबली के जय जयकार के नारे गूंज उठे। पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि, इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होने से प्रत्येक व्यक्ति को सनातन धर्म संस्कृति की जानकारी उपलब्ध हो पाती है। इस प्रकार के कार्यक्रमों में सर्व समाज के प्रत्येक व्यक्ति को शामिल होकर अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हनुमान जयंती का त्यौहार हिंदू धर्म में बहुत ही उत्साह पूर्वक मनाया जाता है। हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए गाय की सेवा करने से पुण्य हासिल किया जा सकता है। हमारे लिए हनुमान जयंती सहित कई ऐसे पर्व है, जो धूमधाम से मनाए जाते हैं।

हनुमान चालीसा का पाठ कर बजरंगबली की जय जय कार की ।

- मंदिर में गूंजे बजरंगबली के जय जयकार के नारे, श्रृद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

यहां हजारों श्रद्धालु भगवान के दर्शन लाभ प्राप्त करते हैं। इसके अलावा खेतडी की ऐतिहासिक हनुमानगढी से हनुमान जयंती पर शोभायात्रा निकाली गई। ठिकाने के समय से चली आ रही परंपरा के अनुसार निर्वहन किया गया। हनुमानगढी में खुदाई के दौरान हनुमानजी की प्रतिमा निकली थी, जिसके बाद से अखंड रामायण पाठ का आयोजन कर शोभायात्रा निकाली जाती है।

वहीं संजयनगर पंचायत की ढाणी मीना वाली में भी ग्रामीणों की ओर से हनुमान जयंती महोत्सव मनाकर आमजन की खुशहाली की कामना की। इस मौके पर पीएमओ डॉ. अक्षय कुमार शर्मा, डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा, डॉ. हर्ष सौभरी, डॉ. संदीप डांगी, जगदीश सिंह शेखावत, विजयपाल सैनी, बाबूलाल, सहीराम वर्मा, राजेंद्र सैनी, अशोक कुमार, अमित कुमार, सुरेंद्र गुर्जर, राजवीर भरगड, जितेंद्र गुर्जर, संदीप चौपदार, दीपक राणा, संजय भूरिया, सिकंदर वर्मा, संदीप कुमार, कविता, मुनेष धायल, बलेश गुर्जर, मुन्ना लाल, सुभाषचंद्र सहित अनेक लोग मौजूद थे।

ए.बी.वी.पी. की ब्लड डोनर डायरेक्टरी

बीकानेर, (कासं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से नवाचार करते हुए ब्लड डोनर डायरेक्टरी करने जा रहा हैं।

एसएफएस संयोजक राघव संतोष सरोलिया ने बताया बीकानेर स्टूडेंट फॉर सेवा गतिविधि के कार्यकर्ता ब्लड डोनर डायरेक्टरी तैयार करेगा। उन्होंने बताया कि बीकानेर महानगर कार्यकारणी द्वारा समाज में कहीं ना कहीं रक्त की कमी रहने के विषय को ध्यान में रखते हुये महानगर स्टूडेंट फॉर सेवा गतिविधि के दौरान ब्लड डोनर डायरेक्टरी तैयार करने का अभियान लिया है। जिसमें बीकानेर में आने वाले विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, कोचिंग संस्थान के विद्यार्थियों के साथ जुड़कर बड़ी संख्या में ब्लड डायरेक्टरी तैयार करेंगे। इसके लिए महानगर स्टूडेंट फॉर सेवा टोली द्वारा क्त्रक्र कोड़ तैयार किया गया है जिसमें स्कैन करने के बाद गूगल फॉर्म जनरेट होगा। इसके खुलने के बाद विद्यार्थी अपनी जानकारी जिसमें नाम, मोबाइल नंबर, पता, वजन, ब्लड ग्रुप यह जानकारी साझा करेंगे। इसके बाद गूगल फॉर्म का डेटा एक ईमेल पर एकत्रित होगा। इसके बाद इस नाम से वेबसाइट बनाई जायेगी। इसके बाद जब भी किसी जरूरतमंद को ज़रूरत होगी तो जानकारी निकाल सकेंगे। विभाग संगठन मंत्री पूनम शेखावत ने बताया कि एसएफएस कार्यकर्ताओं के साथ साथ बीकानेर महानगर मेडीविजन आयाम के कार्यकर्ता साथ- साथ रहेंगे।

'डिप्रेशन क्यों, जीवन का उल्लास क्यों नहीं' विषय पर परिचर्चा का आयोजन

चूरू,(का.सं.)। युक्ति सामाजिक शोध संस्थान, चूरू द्वारा नगर श्री सभागार में डिप्रेशन क्यों जीवन का उल्लास क्यों नहीं विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया।

- कार्यक्रम का शुभारंभ अन्नू बांठिया ने अणुव्रत गीत से किया

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर कमल सिंह कोठारी ने की मुख्य अतिथि डॉ. एम.एल.श्यामसुखा थे। मुख्य वक्ता के रूप में जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं के संस्कृत एवं प्राकृत विभाग की प्रोफेसर समणी डॉ.कुसुमप्रज्ञा थी। कार्यक्रम का शुभारंभ अन्नू बांठिया ने अणुव्रत गीत से किया। मुख्य अतिथि डॉ. एम एल श्यामसुखा ने कहा की आज की युवा पीढ़ी में शिक्षा एक बड़ा कारण है। डिप्रेशन का आज की शिक्षा से केवल बौद्धिक विकास होता है यह सर्वांगीण विकास नहीं करती मुख्य वक्ता प्रोफेसर समणी कुसुमप्रज्ञा ने कहा कि चूरू की भूमि मेरे लिए वैराग्य की भूमि है। मैंने इसी धरती पर दीक्षा लेने का प्रण किया और कहा की हम व्यर्थ का चिंतन अधिक करते हैं या तो भूतकाल का सोचते हैं या भविष्य का जिस कारण हम वर्तमान को डिप्रेशन युक्त कर लेते हैं। हमें हर स्थिति में प्रसन्न और सकारात्मक रहना चाहिए क्योंकि समय एक जैसा नहीं रहता सुख और दुख जीवन के अंग है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर कमल सिंह कोठारी ने कहा आज के युग में महिला.पुरुष, वृद्ध ,जवान, बच्चेए अमीर -गरीब सभी डिप्रेशन में है इसके कई कारण हैं। जैसे समाजिक, शारीरिक, आर्थिक आदि हमें इन सब पर गहनता से विचार करना होगा नहीं डिप्रेशन भविष्य में एक विकराल समस्या बन जाएगी। कार्यक्रम के चर्चा सत्र में मेडिकल कॉलेज चूरू के मनोरोग विभाग के डॉ. अजिताभ सोनी, अधिवक्ता हकीम अहमद खान ने अपने विचार रखे विजयलक्ष्मी शर्मा ने एक गीत प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं ने समणी डॉ. कुसुमप्रज्ञा का अभिनंदन किया। जिसमें हिंदी साहित्य संसद की ओर से बनवारी लाल शर्मा, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष नरेंद्र कोठारी, तेरापंथ महिला मंडल की मुन्नी कोठारी, अमन ट्रस्ट के सद्दाम हुसैन, अपेक्स वेलफेयर सोसाइटी के निर्मल कौशिक, प्रेक्षा वाहिनी की संवाहक मुन्नी डागा, अणुव्रत समिति की लक्ष्मी कोठारी, उज्जवल उत्थान फाउंडेशन के अजय गोयल ने अभिनंदन किया।

स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया हनुमान जन्मोत्सव

झुंझुनूं,(निसं)। चूणा चौक राणी सती रोड स्थित झुंझुनूं प्रगति संघ मुंबई द्वारा संचालित आदर्श बाल निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मंगलवार को प्रात: 8 बजे हनुमान जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि झुंझुनूं प्रगति संघ मुंबई के पूर्व अध्यक्ष, स्कूल एलुमनी सीए दीनबंधु जालान, वीणा जालान, विशिष्ट अतिथि जयपुर से पधारे स्कूल एलुमनी झुंझुनूं प्रगति संघ जयपुर के पूर्व अध्यक्ष रमेश जगनानी, सरला जगनानी थी।

विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय की छात्राओं द्वारा अतिथिगणों का तिलकार्चन कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात मां सरस्वती की मुख्य प्रतिमा पर अतिथिगणों द्वारा पुष्प अर्पित किए गए। हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर सभी अतिथिगणों, सचिव एवं स्थानीय कमेटी सदस्यों द्वारा हनुमान जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई ।

- हनुमान जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए हमेशा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित बने

इस अवसर पर माला पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया गया। विद्यालय सचिव परमेश्वर लाल हलवाई ने अपने स्वागत भाषण के माध्यम से सभी अतिथिगणों का स्वागत किया एवं बच्चों को उद्बोधित करते हुए कहा कि हनुमान जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए हमेशा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित बने। मुख्य अतिथि सीए दीनबंधु जालान ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हर कार्य को जल्दबाजी में नहीं करके हनुमान जी की तरह बुद्धि के साथ सोच विचार कर करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि रमेश जगनानी ने भी इस अवसर पर बच्चों को संबोधित करते हुए आगे बढने हेतु प्रेरित किया। विद्यालय प्रधानाचार्य डॉक्टर अजय कुमार ने पधारे हुए सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की हमेशा हनुमान जी की भांति लक्ष्य के प्रति एकाग्र रहना चाहिए। यह एकाग्रता निश्चित रूप से जीवन के हर क्षेत्र में आपको सफलता दिलाएगी।

पोस्टल बैलेट से मतदान करवाने के निर्देश

चूरू, (का.सं.)। लोकसभा आम चुनाव 2024 के दौरान 24 व 25 अप्रैल 2024 को जिले के सभी विधानसभा मुख्यालयों पर संचालित सुविधा केंद्रों पर द्वितीय चरण में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए ही पोस्टल बैलेट से मतदान करवाने के निर्देश दिए गए हैं। पोस्टल बैलेट प्रकोष्ठ प्रभारी अधिकारी एवं सीईओ मोहनलाल ने बताया कि निर्वाचन विभाग राजस्थान, जयपुर के निर्देशानुसार द्वितीय चरण में जिन लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव सम्पन्न होने हैं। उन्हीं निर्वाचन क्षेत्रों के कर्मचारियों का डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करवाये जाने के निर्देश दिए गए हैं।उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में जिन लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं।

सुंदरकांड पाठ के बाद हुई महा आरती, उमड़े श्रद्धालु

चिड़ावा,(निसं)। शहर की कॉलेज रोड पर पोद्दार पार्क सनातन आश्रम में भायला हनुमान मंदिर में धार्मिक आयोजन हुए। आयोजन के तहत सुबह सनातन आश्रम के अधिष्ठाता प्रभु शरण तिवाड़ी के सानिध्य में हनुमत ज्योति मंगलपाठ हुआ। दोपहर बाद संगीतमय सुंदरकांड पाठ हुआ। शाम साढ़े छह बजे महा आरती हुई।

- आयोजन के तहत सुबह सनातन आश्रम के अधिष्ठाता प्रभु शरण तिवाड़ी के सानिध्य में हनुमत ज्योति मंगलपाठ हुआ

जिसमें बड़ी संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। इसके बाद भगवान को प्रसाद समर्पित किया गया। सभी श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान सुरेन्द्र पारीक, कांति प्रसाद हलवाई, पवन ढाणी वाला, अनिल लांबीवाला, तेजप्रकाश सोनी, शिवलाल सैनी, गोपाल महमियां, रत्तीराम राजोतिया, मनीराम जांगिड़, महेंद्रपाल, प्रमोद सुल्तानिया, मातादीन शर्मा, संजय ओझा, अजय महमिया, कृष्ण सारस्वत सहित काफी श्रद्धालु शामिल हुए।इसी तरह शहर के कबीर टीला मंदिर, चमत्कारी बालाजी, गणेश मंदिर के पास हनुमान मंदिर, बापू बाजार मंदिर सहित शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी भव्य आयोजन हुए।

'युवती को न्याय दिलाने की मांग को लेकर बंद रहा चूरू'

चूरू,(का.सं.)। शहर के होटल सनसिटी के ब्यूटी पार्लर में 24 वर्षीय बुलबुल का शव मिलने की घटना के तीन दिन बाद मंगलवार को चूरू के बाजार बंद रहे। प्रदर्शनकारियों ने बुलबुल को न्याय देकर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की।

सनातन सुरक्षा फाउंडेशन की ओर से यहां बन्द का आव्हान किया गया। शहर के मुख्य बाजार, उतरादा बाजार, रामगढ़िया दरवाजा, जैन मार्केट, राम मंदिर, शास्त्री मार्केट और रेलवे स्टेशन सहित प्रमुख बाजारों में दुकाने बंद रही। इधर दूसरी सनातन सुरक्षा फाउंडेशन और अन्य संगठनों के कार्यकर्ताओं ने गढ़ चौराहे पर विरोध प्रदर्शन कर जाम लगाया। विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए डीएसपी सुनील झाझड़िया, कोतवाली थानाधिकारी मुकुट बिहारी, सदर थानाधिकारी बलवंतसिंह, महिला थानाधिकारी करतार सिंह, रतननगर थानाधिकारी जयप्रकाश, दूधवाखारा थानाधिकारी रतनलाल व भालेरी थानाधिकारी जगदीश प्रसाद सहित पुलिस का जाब्ता शहर में तैनात किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए गढ़ चौराहे पर आरएसी भी तैनात की गई।

- प्रदर्शन कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की

चूरू में युवती को न्याय दिलवाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया ।

धरने पर बैठे प्रतिनिधियों ने बुलबुल प्रकरण में दोषियों को गिरफ्तार कर निष्पक्ष जांच के साथ कड़ी कार्रवाई करने, शहर के कुछ होटल और कैफे में चल रही अनैतिक गतिविधियों को रोकने व अनैतिक गतिविधियों में लिप्त होटलों पर बुलडोजर चलाने की मांग की गई। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर एसडीएम बृजेन्द्र सिंह व डीएसपी सुनील झाझड़िया पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। वार्ता के बाद मांगो पर सहमति बनी। जिसके बाद जाम हटाया गया। धरने को बुधगिरी आश्रम फतेहपुर के संत दिनेश गिरी ने भी संबोधित किया।

डीएसपी सुनील झाझड़िया ने प्रदर्शनकारियों की मांगों को धैर्यपूर्वक सुना। सभी मांगों पर सहमति बनने के बाद जाम हटाया गया है। गौरतलब है कि शनिवार की रात शहर के वार्ड 27 की 24 वर्षीय युवती बुलबुल का शव होटल सनसिटी के ब्यूटी पार्लर में फंदे से लटका हुआ मिला था। पुलिस ने रविवार को शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया था। बुलबुल के परिजनों ने हत्या की आशंका और सुसाइड के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया था।

जिसके बाद पुलिस के द्वारा अरशद, अमजद और मुजफ्फर को राउंडअप किया गया था। मामले में अभी तक पुलिस के द्वारा हत्या या आत्महत्या की गुत्थी नहीं सुलझाई गई और ना ही आरोपियों की गिरफ्तारी दिखाई गई। जिसके कारण लोगों में काफी आक्रोश देखा गया।

दो दिवसीय धार्मिक आयोजन सम्पन्न

रतनगढ़,(निसं)। श्रीअंजनी माता महावीर हनुमान मंदिर का पांचवां प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर हुए दो द्विवसीय धार्मिक आयोजन सम्पन्न हुआ।

हनुमान जन्मोत्सव पर हुए दो दिवसीय बाबा भक्त हनुमान जी पारीक के निर्देशानुसार श्री अंजनी माता महावीर हनुमान मंदिर ट्रस्ट मुम्बई द्वारा आयोजित दो दिवसीय धार्मिक आयोजन के अन्तर्गत मंगलवार को अजय सिंह एण्ड पार्टी द्वारा विशाल भजन संध्या का आयोजन किया। कार्यक्रम की रूपरेखा तुलसीराम पाण्डे ने तैयार की। अजय सिंह एण्ड पार्टी द्वारा बालाजी के सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। जागरण में महिला पुरूषों ने तालियां की धुन पर झूम कर आनन्द उठाया। सुबह महावीर हनुमान की विशेष ज्योत तथा तुलसीराम पाण्डे द्वारा सामूहिक सुन्दरकाण्ड का पाठ का आयोजन किया। महाप्रसाद का आयोजन किया गया जिसमें कस्बे के काफी महिला पुरूष मोजूद रहे। कार्यक्रम में विमलादेवी गुरूमाता,अरूण सराफ, करण सर्राफ, मोहित गुप्ता, मनोज पारीक पुजारी संकटमोचन, राधेश्याम पारीक, डुंगर पुजारी,बजरंग पुजारी, हेमराज पारीक, राजा, मोहित पारीक, अंकित, पवन पुजारी, सौरभ, राम, सक्षम, रिषभ, सन्नु पारीक, लक्ष्मी पारीक, सुनिता, खुशबू, कृष्णा, सीमा, सहित कस्बे के सैकडो महिला पुरूष मौजूद थे।

गंदे पानी को लेकर पूर्व सैनिकों ने विरोध प्रदर्शन किया

सादुलपुर, (निसं)। कस्बे के शहीद स्मारक के सामने जमा गंदे पानी को लेकर मंगलवार को पूर्व सैनिकों ने नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया है। पूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष जगत सिंह ने बताया कि मंगलवार शाम को शहीद स्मारक के सामने बनाए गए बिना किसी माप दण्ड के नाले के कारण गन्दा पानी जमा हो गया।

तथा हाल यह हो गया है कि मुख्य द्वार के सामने जमा गंदे पानी के कारण शहीद स्मारक से आवागमन बंद हो गया। अनेकों बार लिखित और मौखिक शिकायत के बावजूद समस्या का स्थाई समाधान नहीं हो रहा है। उन्होंने बताया कि शहीद स्मारक के सामने भरने वाला बरसाती गन्दे पानी की निकासी को लेकर लम्बे समय से पूर्व सैनिकों की माँग चली आ रही है। जगत सिंह ने बताया कि सरकार ने पिलानी मोड से रेलवे स्टेशन होते हुए शहीद स्मारक तक गंदे पानी के निकासी के लिए नाला निर्माण करवाया है, लेकिन दस माह बीत जाने के बाद भी नाले का निर्माण पूरा नहीं हो पाया है।

- पूर्व सैनिकों ने बन रहे नाले का निर्माण सही ढंग से करवाने की मांग की

उन्होंने बताया कि बनाए गए नाले का निर्माण सही नहीं हुआ है। शहीद स्मारक के पास भरने वाला बरसाती और गन्दा पानी जाना तो चाहिए पिलानी मोड पर स्थित जोहड में लेकिन नाले का सही निर्माण नहीं होने के कारण शहीद स्मारक क्षेत्र का पानी शहीद स्मारक के सामने ही जमा हो रहा है। उन्होंने बताया कि अगर नाला निर्माण पूर्ण होने पर भी शहीद स्मारक के सामने से बरसाती गन्दा पानी जोहड में जाने की बजाय अन्य क्षेत्र का पानी शहीद स्मारक के सामने आकर जमा होगा। तथा आगामी बरसात के मौसम में शहीद स्मारक के पास हाल बेहाल हो जाएगा। उन्होंने बन रहे नाले का निर्माण सही ढंग से करवा कर शहीद स्मारक के सामने जमा होने वाले बारिश और गंदे पानी की निकासी की मांग की है। इस मौके पर पूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष जगत सिंह, उपाध्यक्ष सुबेदार मोहरसिंह, बलवान फगेडिया, शीशराम पूनिया, हवलदार घासी राम बनवारीलाल मुंड, विक्रम सिंह, अन्तर सिंह, नत्थू राम जांगीड, विजय सिंह, धनराज पूनिया, धीरसिंह शेरसिंह कडवासरा सहित दर्जनों पूर्व सैनिकों ने मांग के समर्थन में विरोध प्रदर्शन करते हुए शीघ्र समस्या का स्थाई निराकरण करने की मांग की है।

पानी निकासी की माँग करते पूर्व सैनिक संघ राजगढ के पदाधिकारी

सार-समाचार

भक्तों ने गौशाला आकर की गौ सेवा

झुंझुनूं,(निसं)। हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर जयपुर एवं मुंबई से पधारे प्रवासी बंधुओं ने श्री गोपाल गौशाला झुंझुनूं आकर अपने हाथों से गौ माता को गुड, गेहूं के आटे से बनी रोटियां एवं हरा चारा इत्यादि खिलाकर गौ सेवा की। इस अवसर पर गोपाल गौशाला अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया, डॉक्टर डीएन तुलस्यान एवं परमेश्वर हलवाई ने प्रवासी वीणा दीनबंधु जालान मुंबई, सरला रमेश जगनानी जयपुर, रजनी गिरीश अग्रवाल, स्नेहलता ओमप्रकाश अग्रवाल एवं बबीता सुधीर गाडिया जयपुर का दुपट्टा ओढाकर एवं गौ माता का प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत अभिनंदन भी किया। प्रवासी बंधुओं ने श्री गोपाल गौशाला का अवलोकन कर व्यवस्थाओं को देखकर मुक्त कंठ से कार्यकारिणी एवं गो भक्तों की सराहना की।

विशेषज्ञ की नियमित सेवाएं प्रारंभ

(निसं)।ई.सीए.चए.स.,आर.जीए.चए.स.,आयुष्मान आरोग्य योजना में न्यूरो संबधित समस्याओं के ईलाज हेतु शहर के ढूकिया अस्पताल में न्यूरो स्पाइन विशेषज्ञ की नियमित सेवाएं प्रारम्भ कर दी गई हैं। अस्पताल संचालिका डॉ. मोनिका ढूकिया ने बताया कि डॉ. बी सूर्यनारायण नायडू जो न्यूरो एंड स्पाइन विशेषज्ञ है व 30 वर्षों का अनुभव रखते हैं अपनी नियमित सेवाएं 24 गुणा 7 ढूकिया हॉस्पिटल में देगें। डॉ. नायडू पहले मणिपाल हॉस्पिटल हैदराबाद, उस्मानिया मेडिकल कॉलेज हैदराबाद में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। डॉ. उमराव सिंह कुलहरी (गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ) ने बताया कि अस्पताल की सेवाओं में विस्तार हुआ जिसका लाभ जिलेभर के विभिन्न योजनाओ के लाभार्थियों फौजी, सरकारी कर्मचारियों सहित आमजन और उनके परिवारजनों को मिलेगा।

पक्षियों के लिए परिण्डे बांधे

सीकर,(नि.सं.)।लायंस क्लब सीकर डायमंड के सदस्यों द्वारा साधारण मीटिंग मे एक अहम फैसला लिया गया। इसके तहत हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए घर.घर परिंडा अभियान कार्य शुरू किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन डॉक्टर प्रीति जैन ने बताया कि,लायंस क्लब सीकर डायमंड परिंडे लगाने की गतिविधि पूरे माहवार करेगा। क्लब सचिव लायन पूनम शर्मा ने अपने घर से परिंडे लगाने की शुरुआत करते हुए सभी क्लब सदस्यों से अपने घर पर परिंडे लगाने के लिए आग्रह किया। साथ ही आसपास की दुकानों पर भी परिंडे बांटे गए ताकि लोग अपने-अपने घरों की छतों पर पक्षियों के लिए परिंडे लगा सके। साथ ही क्लब के सदस्य आस पास के लोगों को परिंडों में नियमित अंतराल पर पानी एवं चुग्गा डालने के लिए प्रेरित करेंगे। इस दौरान कार्यक्रम मे लायन डॉक्टर प्रदीप जैन, लायन पल्लवी जैन, लायन सज्जन अग्रवाल, लायन देवेंद्र सोनी आदि क्लब सदस्य मौजूद रहे।

नेत्र रोग जांच शिविर आयोजित

रतनगढ़,(निसं)। राजस्थान पेंशनर समाज उप शाखा रतनगढ़ एवं टीबड़ा आई हॉस्पिटल सीकर के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क कंप्यूटर से जांच एवं दवा वितरण का शिविर में मंगलवार को राजस्थान पेंशनर भवन में आयोजित किया गया। शिविर में डॉ नंदकिशोर टीबड़ा की टीम के प्रभारी जितेंद्र कुमार, विकास कुमार तथा धर्मेंद्र कुमार द्वारा जांच एवं दवा वितरण का कार्य संपन्न किया। शिविर में कुल 52 रोगियों की जॉच की गई, उनमें से 11 रोगी ऑपरेशन के लिए चयनित किए गए, जिनका ऑपरेशन सीकर में किया जाएगा। शिविर के दौरान सत्यनारायण सेवदा अध्यक्ष, बद्री प्रसाद बंसिया कोषाध्यक्ष, पीरुमल प्रजापत मंत्री, ओम प्रकाश जांगिड़ उपाध्यक्ष, विनोद कुमार प्रजापत, बजरंगलाल प्रजापत, पन्नालाल सोनी, रामदेव शर्मा, बाबूलाल माली ने सहयोग प्रदान किया।

धूमधाम से मनाई हनुमान जयंती

बिसाऊ,(निसं)। कस्बे में नंदपुर बालाजी धाम मंदिर में आज हनुमान जयंती धूमधाम से मनाई गई मंदिर को रोशनी से सजाया गया एवं बालाजी महाराज को फूलों से सजाया गया इस अवसर पर काफी संख्या में महिलाएं पुरुष एवं बच्चों ने हनुमान जी के दर्शन किए और मन्नतें मांगी काफी वर्षों बाद पूर्णिमा मंगलवार को होने पर लोगों ने हनुमान जी के दर्शन किए इस अवसर पर मेले में पुलिस प्रशासन भी मुस्तेज रहा काफी संख्या में दुकान लगाई गई जहां पर दर्शनाथियों ने अलग-अलग व्यंजन खाकर के आनंद लिए इसी प्रकार गणगौर वाले कुए के बालाजी धाम पर भी बालाजी को फूलों से सिंगार किया गया तथा मंदिर को रोशनी से सजाया गया सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया ।

मंदिर में गुंजी सुंदरकांड की चौपाईयां

चूरू,(का.सं.)। रेलवे कॉलोनी स्थित लोको वाले बालाजी मंदिर में सोमवार रात्रि को संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया।हनुमान जन्मोत्सव को लेकर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों ने सुंदरकांड पाठ का आनंद लिया। मंगलवार सुबह हवन व पूजा अर्चना की गई। इस अवसर , नंदकिशोर बरोड़, शशांक भारद्वाज ने सपत्नीक हवन में पूर्णाहुति दी।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ यशस्वी जायसवाल की पारी प्रभावशाली थी क्योंकि उन्होंने शॉट खेलने के लिए समय भी लिया और उच्च स्ट्राइक रेट बनाए रखकर अच्छा संतुलन बनाया।

- ब्रायन लारा

वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर, यशस्वी जायसवाल के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

युजवेन्द्र चहल

राजस्थान रॉयल्स के लेग-स्पिनर युजवेंद्र चहल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में मोहम्मद नबी को आउट करते हुए चहल ने यह उपलब्धि हासिल की है। पिछले सत्र ही चहल ने ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ते हुए लीग इतिहास में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। अब 153वें मैच में उन्होंने 200 विकेट लेने का कारनामा किया है। चहल को सबसे पहले 2011 में मुंबई इंडियंस ने साइन किया था, लेकिन उनका आईपीएल में पर्दापण 2013 में हुआ था।

क्या आप जानते हैं ?... अपनी टेस्ट जीवन की पहली श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने का रिकार्ड भारत के सुनील गावस्कर के नाम है। गावस्कर ने 1970-71 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 77 रन बनाए।

गायकवाड़ के शतक पर भारी पड़ी स्टोयनिस की पारी

लखनऊ ने चेन्नई को दूसरी बार 6 विकेट से हराया, स्टोयनिस ने 63 गेंद पर नाबाद 124 रन बनाए

चेन्नई, 23 अप्रेल। मार्कस स्टोयनिस के शतक की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने -2024 में चेन्नई सुपर किंग्स को 6 विकेट से हराया। की सीजन में पांचवीं जीत है। टीम पॉइंट्स टेबल में 10 अंक के साथ तीसरे स्थान पर आ गई है। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में मंगलवार को लखनऊ ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 210 रन बनाए। लखनऊ ने 211 रन का टारगेट 19.3 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया।

मार्कस स्टोयनिस ने 63 बॉल पर नाबाद 124 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने 13 चौके और 6 छक्के जमाए। निकोलस पूरन ने 15 बॉल पर 34 रन का योगदान दिया। मथिश पथिराना को दो विकेट मिले। ऋतुराज गायकवाड 60 बॉल पर नाबाद 108 रन की पारी खेली। उनकी पारी में 12 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। शिवम दुबे ने 27 बॉल पर 66 रन बनाए। उन्होंने 3 चौके और 7 छक्के जमाए। मैट हेनरी और मोहसिन खान को एक-एक विकेट मिला। आज यहां एम ए चिदंबरम स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे (1) का विकेट गवां दिया। उसके बाद डैरिल मिचेल ने ऋतुराज के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिये 45 रन जोडे। छठें ओवर में यश ठाकुर ने हुड्डा के हाथों कैच आउट कराकर मिचेल (11) को पवेलियन भेज दिया। 12वें ओवर में रवींद्र जडेजा (16) रन बनाकर आउट हुये। हालांकि दूसरे छोर से ऋतुराज लगातार रन बनाते रहे। उन्होंने 60 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के लगाते हुए नाबाद (108) रनों की पारी खेली। शिवम दुबे ने ऋतुराज चौथे विकेट लिये 104 रनों की साझेदारी की।

मनिका को पछाड़कर भारत की नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी श्रीजा

नयी दिल्ली, 23 अप्रेल। राष्ट्रमंडल खेलों की मिश्रित युगल चैंपियन श्रीजा अकुला मंगलवार को नवीनतम आईटीटीएफ रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 38वें स्थान पर पहुंची और मनिका बत्रा को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गईं। नवीनतम रैंकिंग में श्रीजा को एक स्थान का फायदा हुआ जबकि पिछले कुछ समय से भारत की नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका दो स्थान के नुकसान से 39वें पायदान पर खिसक गईं। इस साल 25 साल की श्रीजा ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

उन्होंने डब्ल्यूटीटी फीडर कॉरपस क्रिस्टी और डब्ल्यूटीटी फीडर बेरूत टूर्नामेंट में क्रमश: जनवरी और मार्च में खिताब जीते। वह गोवा में डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंची। श्रीजा ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में अनुभवी अचंता शरत कमल के साथ मिलकर मिश्रित युगल का स्वर्ण पदक जीता था। यशस्विनी घोरपड़े और अर्चना कामत क्रमश: 99वें और 100वें स्थान पर बरकरार हैं। शरत रैंकिंग में 37वें स्थान के साथ शीर्ष रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। जी साथियान और मानव ठाकर ने क्रमश: 60वें और 61वें स्थान पर एक दूसरे की जगह ली है।

केकेआर में मुझे ज्यादा मार्गदर्शन नहीं मिलता था लेकिन अब परिपक्व हो गया हूं : कुलदीप

नयी दिल्ली, 23 अप्रेल। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का हिस्सा थे तब उनके प्रदर्शन में काफी गिरावट आयी थी लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़ने के बाद इस गेंदबाज ने इंडियन प्रीमियर लीग के साथ राष्ट्रीय टीम के लिए भी शानदार प्रदर्शन किया। दिल्ली की टीम से जुड़ने के बाद कुलदीप ने 33 मैचों में 41 विकेट चटकाये है। कुलदीप बताया कि 2020 में घुटने की ऑपरेशन के बाद कोच कपिल पांडे की देखरेख में अभ्यास करते हुए उन्होंने नये कौशल विकसित किये जिसका फायदा मिला।

कुलदीप ने कहा, " मैं जब केकेआर में था तब मुझे मार्गदर्शन की जरूरत थी लेकिन अब ऐसी स्थिति नहीं है। अब मैं अपनी समझ से चीजें नियंत्रित करता हूं। माही भाई (महेन्द्र सिंह धोनी) ने 2019 के बाद राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना छोड़ दिया था और उसके बाद मुझे मार्गदर्शन की जरूरत महसूस हुई। अब अनुभव के साथ मैं चीजों को बेहतर तरीके से समझने लगा हूं।" उन्होंने कहा,"मुझे अब भी केकेआर (2016-2020 तक) में अपने समय पर पछतावा है और मुझे लगता है कि मैं अब जो कुछ भी कर रहा हूं, काश मैं इसे पहले ही कर पाता।" उन्होंने यहां चुनिंदा मीडिया से बातचीत में कहा, "मुझे अब भी दुख होता है कि अगर मैंने उस समय उन कौशलों पर काम किया होता, तो मैं और भी अधिक प्रभावी हो सकता था।

चमारी अटापट्टू एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची

दुबई, 23 अप्रेल। पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 195 रनों रिकार्डो वाली पारी खेलने वाली श्रीलंका महिला टीम की कप्तान चमारी अटापट्टू आईसीसी की महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गई है। चमारी की इस पारी ने महिला क्रिकेट के कई रिकॉर्ड ध्वस्त किए थे, जिसमें एकदिवसीय में सफल लक्ष्य हासिल के दौरान सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर भी शामिल था। एकदिवसीय में पुरुष और महिला दोनों क्रिकेट में यह सफल लक्ष्य हासिल के दौरान दूसरा सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर भी था। ग्लेन मैक्सवेल ने 2023 विश्वकप में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 201 रनों की पारी खेली थी। इस प्रदर्शन के चलते चमारी ने आईसीसी की तालिका में अब तक की अपनी सबसे बड़ी रेटिंग (773) प्राप्त करते हुए पहला स्थान प्राप्त कर लिया।

हमें गेंद और बल्ले दोनों से थोड़ा सुधार करने की जरूरत : वॉर्नर

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को यह स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि टीम के पास मौजूदा आईपीएल में प्ले ऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए अपने बाकी बचे सभी मैच जीतने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। अपने आठ में से पांच मैच हारने के बाद दिल्ली की नजरें बुधवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी।

वार्नर ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, "टीम की खातिर हमें जहां होना चाहिए हम वहां नहीं हैं। हम कुछ और मैच जीतना पसंद करते। लेकिन फाइनल में चुनौती पेश करने के लिए बेशक हमें बाकी बचे मैच जीतने होंगे।" उन्होंने कहा, "इसलिए हमारे लिए यह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के बारे में है। उम्मीद है कि हम प्रत्येक मैच वैसे ही खेल सकेंगे जैसे हम गुजरात के खिलाफ खेले थे।" ऑस्ट्रेलिया के इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा, "हमें बल्ले और गेंद दोनों से थोड़ा सुधार करना होगा। अगर हम कुल स्कोर को कम रखने में सफल रहे तो यह बहुत अच्छा होगा। और फिर अगर हम पहले बल्लेबाजी करते हैं तो कोशिश करें कि बड़ा स्कोर बनाएं और इसका बचाव करें।"

दिल्ली के पास खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण है जिसने पहले चरण के मैच में गुजरात टाइटंस को 89 रन पर आउट कर दिया था। उन्होंने कहा, "लोग जिस तरह से ट्रेनिंग और तैयारी कर रहे हैं उसमें कोई गलती नहीं है। मैचों में कभी-कभी ऐसा होता है कि आप चीजों को लागू नहीं कर पाते और हम जानते हैं कि जब हम शुरुआत में विकेट चटकाते हैं तो हमारा गेंदबाजी आक्रमण बहुत खतरनाक हो जाता है।"

दोहा में भारतीय ट्रैप निशानेबाजों को ड्रॉ में मिली असफलता

दोहा, 23 अप्रैल। आईएसएसएफ ओलंपिक शॉटगन क्वालिफिकेशन चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा कर रहे छह भारतीय ट्रैप निशानेबाजों में से कोई भी फाइनल में जगह बनाने में कामयाब नहीं हुआ। कतर के दोहा में आयोजित चैंपियनशिप की पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में तीन भारतीय निशानेबाज - विवान कपूर, ज़ोरावर सिंह संधू और पृथ्वीराज टोंडिमन में से कोई भी क्वालीफाइंग राउंड से आगे नहीं बढ़ पाये। इसके अलावा मनीषा कीर, नीरू और श्रेयसी सिंह का महिला टीम भी अपने स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने में असफल रही।

डेथ ओवरों में योजनाओं को लागू करना और अच्छी गेंदें फेंकना महत्वपूर्ण : संदीप शर्मा

जयपुर, 23 अप्रेल। राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज संदीप शर्मा ने आईपीएल के मौजूदा सत्र में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन करने के बाद जोर देते हुए कहा कि डेथ ओवरों (अंतिम ओवरों) में गेंदबाजी करते समय आपको अपनी योजनाओं को लागू करने का प्रयास करते समय बड़ा दिल रखना होगा। चोट के कारण तीन सप्ताह के ब्रेक के बाद वापसी करते हुए 30 साल के संदीप ने सोमवार को मुंबई इंडियन्स के खिलाफ 18 रन देकर पांच विकेट चटकाए। संदीप ने मुंबई के खिलाफ रॉयल्स की नौ विकेट की जीत के बाद कहा, "इस साल के आईपीएल में बल्लेबाज बड़े स्कोर बना रहे हैं।

इंपेक्ट प्लेयर नियम के कारण एक अतिरिक्त बल्लेबाज है इसलिए मैच में काफी रन बन रहे हैं। आपको डेथ ओवरों में गेंदबाजी करते समय बड़ा दिल रखना होगा और अपनी योजनाओं को लागू करने का प्रयास करते हुए अच्छी गेंदें फेंकनी होंगी।" आईपीएल में नई गेंद से शुरुआत करने वाले संदीप ने मौजूदा सत्र में रॉयल्स के लिए अब तक खेले तीन मैच में डेथ ओवरों में गेंदबाजी की है।

उन्होंने कहा, "आज भी अगर आप मुझसे पूछें कि मैं कहां सहज महसूस करता हूं, मैं कहूंगा कि यह नई गेंद के साथ है। पुरानी गेंद के साथ आपको एक गेंदबाज के रूप में अनुकूलित और विकसित होना होगा।" संदीप मांसपेशियों में खिंचाव के बाद एकादश में लौट आए हैं जिसके कारण उन्हें करीब एक महीने तक बाहर रहना पड़ा। मुंबई के खिलाफ संदीप ने सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, टिम डेविड, इशान किशन और गेराल्ड कोएट्जी को आउट किया।

टाइटंस के खिलाफ दिल्ली को गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

नयी दिल्ली, 23 अप्रेल। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ उतरेगी तो उसे अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जबकि ऋषभ पंत की कप्तानी पर भी नजरें रहेंगी। पंत के लिए घरेलू मैदान पर वापसी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और दिल्ली को लगातार दो जीत दर्ज करने के बाद शनिवार को घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 67 रन की बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इस हार से दिल्ली की टीम आठ मैच में तीन जीत और पांच हार से छह अंक के साथ आठवें स्थान पर खिसक गई है। टीम अच्छी तरह से जानती है कि अगर उसे प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को जीवंत रखना है तो जीत की राह पर लौटना होगा।

सनराइजर्स के खिलाफ पंत के फैसलों पर कई बार सवाल उठे। टॉस के समय वह अरूण जेटली स्टेडियम में ओस के पहलू को सही तरह से नहीं भांप पाए और उन्होंने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पंत का पारी का दूसरा ओवर ललित यादव को सौंपने का फैसला और भी विवादास्पद रहा और सनराइजर्स ने तूफानी शुरुआत करते हुए पावर प्ले में बिना विकेट खोए 125 रन बनाए। पंत बल्लेबाजी के दौरान जूझते नजर आए और लक्ष्य का पीछा करते हुए 35 गेंद में सिर्फ 44 रन बना पाए।

सनराइजर्स के 267 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाजों से तूफानी शुरुआत की अपेक्षा थी लेकिन पृथ्वी साव और डेविड वार्नर ने निराश किया। युवा जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने सिर्फ 18 गेंद में 65 रन बनाए लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। अभिषेक पोरेल ने भी 22 गेंद में 42 रन की पारी खेली लेकिन यह नाकाफी था। सनराइजर्स ने दिल्ली के गेंदबाजों के खिलाफ आसानी से रन बटोरे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद की कोटला की छोटी बाउंड्री के बीच शॉर्ट पिच गेंदबाजी करने की रणनीति गलत साबित हुई।

सौरव घोषाल ने पेशेवर स्क्वाश से संन्यास लिया, लेकिन भारत के लिए खेलना जारी रखेंगे

नयी दिल्ली, 23 अप्रेल। भारत के सबसे बेहतरीन पुरूष स्क्वाश खिलाड़ियों में शामिल सौरव घोषाल ने सोमवार को पेशेवर सर्किट से संन्यास लेने की घोषणा की लेकिन वह अगले कुछ समय तक बहु-खेल स्पर्धाओं वाले आयोजन में भारत का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगे। पेशेवर सर्किट में 22 साल खेलने वाले घोषाल ने इंचियोन और हांग्झोउ एशियाई खेलों की टीम स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीतने के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों में तीन पदक जीते हैं।

उन्होंने ग्लासगो में 2022 विश्व युगल चैंपियनशिप में मिश्रित युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। घोषाल ने अपने इंस्टाठााम पर लिखा, "मैंने 22 साल पहले 'पीएसए विश्व टूर' पर अपनी यात्रा शुरू की थी। उस समय मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं इतने लंबे समय तक पेशेवर स्क्वाश खेलूंगा। जब मैंने दुनिया भर में यात्रा की और कुछ बड़े मंचों खेलते हुए मैंने सोचा कि यह कभी ख़त्म नहीं होगा।"

इस 37 साल के खिलाड़ी ने कहा, "लेकिन हर चीज का एक अंत होता है। यह

संदेश लिखते समय मैं भावनाओं से अभिभूत हूं। यह खेल इतने वर्षों से मेरा जुनून, मेरी आजीविका और मेरी पहचान रहा है। इसलिए गर्व और दुख की मिश्रित भावनाओं के साथ मैं पीएसए से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं।" कोलकाता में जन्में घोषाल दुनिया के शीर्ष 10 में पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने अप्रैल 2019 में करियर की उच्चतम रैंकिंग हासिल की और छह महीने तक उसे बनाये रखने में सफल रहे। घोषाल ने 2003 में पीएसए में पदार्पण करने के बाद से 18 फाइनल में पहुंचकर 10 पीएसए खिताब जीते हैं।

उन्होंने पीएसए टूर पर अपने 511 मैचों में से 281 जीते हैं। घोषाल के नाम 13 राष्ट्रीय खिताब जीतने का रिकॉर्ड भी है। उन्होंने इसमें से आखिरी खिताब 2020 में जीता था। घोषाल का खेल हालांकि अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है और वह भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, " मुझे उम्मीद है कि मैं प्रतिस्पर्धी स्क्वाश को पूरी तरह से अलविदा नहीं कह रहा हूं। मैं कुछ और समय तक भारत के लिए खेलना चाहूंगा। उम्मीद है कि मेरे अंदर संघर्ष करने की कुछ क्षमता बाकी है और मैं अपने देश के लिए कुछ और हासिल कर सकता हूं।

विश्व चैम्पियन बनना शानदार था : लवलीना

लवलीना बोरगोहेन ने साझा किया ओलंपिक का अनुभव

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। भारत की शीर्ष मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन अपने नैसर्गिक भार वर्ग में बदलाव और 75 किग्रा वर्ग में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने को लेकर आश्वस्त हैं। असम की इस खिलाड़ी ने तोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने के बाद चुनौतीपूर्ण समय का सामना किया क्योंकि वह विश्व चैम्पियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों से जल्दी बाहर हो गयी थी।

लवलीना पहले 69 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करती थी लेकिन ओलंपिक से इस भार वर्ग को हटाने के बाद उन्होंने 75 किग्रा वर्ग में खेलना शुरू किया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस भारतीय मुक्केबाज ने 2022 एशियाई चैंपियनशिप और 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के साथ-साथ पिछले साल एशियाई खेलों में रजत पदक जीता है। लवलीना ने साक्षात्कार में कहा, " वजन में बदलाव के बाद कुल मिलाकर मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा है।

ओलंपिक वर्ग में विश्व चैम्पियनशिप जीतना बहुत बड़ी बात थी। मुझे पहले (69 किग्रा के लिए) वजन नियंत्रित करना पड़ता था लेकिन अब मैंने इस वजन से सामंजस्य बिठा लिया है। मैंने प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और अच्छा प्रदर्शन किया है।" लवलीना का वजन आमतौर पर 70 से 75 किग्रा के बीच रहता है ऐसे में उन्हें टूर्नामेंटों से पहले वजन घटाने के लिए अतिरिक्त मेहनत नहीं करनी पड़ती। उन्होंने कहा, "हां, प्रतिद्वंद्वी (75 किग्रा में) मजबूत हैं लेकिन मैं इस वर्ग में फिट बैठती हूं। मैं 69 किग्रा की तुलना में इस श्रेणी में अधिक सहज हूं क्योंकि मुझे खाने पर ज्यादा नियंत्रण नहीं करना पड़ता है। ऐसे में मेरी ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहता है।

मैं मजबूत महसूस करती हूं और मैं बेहतर प्रशिक्षण लेने में सक्षम हूं। मैं ताकत और कंडीशनिंग के साथ अपनी मांसपेशियों को मजबूत करने पर ध्यान देती हूं।" लंदन ओलंपिक खेलों (2012) में महिला मुक्केबाजी को शामिल किए जाने के बाद से 75 किग्रा वर्ग लगातार ओलंपिक खेलों का हिस्सा है। 26 साल की इस खिलाड़ी के लिए पेरिस के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण होगी क्योंकि उनका सामना ऐसे मुक्केबाजों से होगा जो पहले से ही इस वर्ग में खेलती रही है। लवलीना ने कहा, "इसमें कोई संदेह नहीं कि 75 किग्रा वर्ग चुनौतीपूर्ण है क्योंकि यह हमेशा से एक ओलंपिक वर्ग रहा है।

स्पेन की महिला फुटबॉल टीम को लॉरेस पुरस्कार, जोकोविच साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

स्पेल, 23 अप्रेल। पिछले साल पहली बार महिला फुटबॉल विश्व कप जीतने वाली स्पेन की टीम को सोमवार को लॉरेस विश्व खेल पुरस्कारों में दो और पुरस्कार मिले। स्पेन की महिला फुटबॉल टीम को 2023 के लिए दुनिया की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम चुना गया जबकि मिडफील्डर एताना बोनमाती को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। समारोह का आकर्षण नोवाक जोकोविच रहे जिन्हें साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। अमेरिका की जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स को वापसी करने वाली सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया। रीयाल मैड्रिड के फॉरवर्ड ज्यूड बेलिंगहैम को 'ब्रेकथ्रू पुरस्कार' मिला जबकि दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी रफेल नडाल को उनके फाउंडेशन की बदौलत 'स्पोर्ट फोर गुड अवार्ड' से नवाजा गया। जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन में खिताब जीतने के साथ रिकॉर्ड 24 ठौंड स्लैम एकल खिताब जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए पांचवीं बार लॉरेस पुरस्कार जीता।लॉरेस के अनुसार नडाल के फाउंडेशन को 'स्पेन और भारत में 1,000 से अधिक कमजोर युवाओं' की मदद करने के लिए पुरस्कृत किया गया।

सुनील नारायण ने टी-20 विश्व कप के लिए वापसी से इंकार किया

कोलकाता, 23 अप्रेल। इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में शानदार फॉर्म में चल रहे वेस्टइंडीज के पूर्व गेंदबाजी ऑलराउंडर सुनील नारायण कैरेबिया और अमेरिका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए अपने संन्यास के फैसले को वापस नहीं लेंगे और उन्होंने जोर देकर कहा कि वह 'दरवाजा अब बंद हो चुका है"। वेस्टइंडीज के लिए 2019 में टी20 के रूप में आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले 35 साल के नारायण ने दुनिया भर की फ्रेंचाइजी टी20 लीग पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पिछले साल नवंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

आईपीएल के मौजूदा सत्र में हालांकि कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए बल्ले और गेंद दोनों से उनकी शानदार फॉर्म को देखते हुए नारायण को टी20 विश्व कप में खिलाने के लिए मनाने की कोशिशें चल रहीं थी। नारायण ने इंस्टाठााम पोस्ट में लिखा, "मैं वास्तव में बहुत खुश और आभारी हूं कि हाल ही में मेरे प्रदर्शन ने कई लोगों को सार्वजनिक रूप से मेरे संन्यास से वापसी करने और आगामी टी20 विश्व कप में खेलने की इच्छा व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया है।"

नारायण ने जोर देकर कहा कि उन्होंने अपने फैसले को स्वीकार कर लिया है और घर से टीम का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा, "मैंने उस फैसले को स्वीकार कर लिया है और हालांकि मैं किसी को निराश नहीं करना चाहता लेकिन वह दरवाजा अब बंद हो गया

है और मैं उन खिलाड़ियों का समर्थन करूंगा जो जून में वेस्टइंडीज के लिए मैदान में उतरेंगे।" नारायण ने कहा, "जिन खिलाड़ियों ने पिछले कुछ महीनों में कड़ी मेहनत की है और वे हमारे शानदार प्रशंसकों को यह दिखाने के हकदार हैं कि वे एक और खिताब जीतने में सक्षम हैं। मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं।"

नाइट राइडर्स से 2012 में जुड़ने वाले नारायण आईपीएल के मौजूदा सत्र में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में सातवें स्थान पर हैं। उन्होंने 286 रन बनाए हैं जिसमें पिछले हफ्ते राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ नाबाद शतक भी शामिल है जो उनका पहला टी20 शतक था। गेंद के साथ यह ऑफ स्पिनर 22.11 की औसत और 7.10 के इकोनॉमी रेट से नौ विकेट चटकाकर संयुक्त रूप से नाइट राइडर्स का सबसे सफल गेंदबाज है। नारायण के शानदार फॉर्म को देखते हुए वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमैन पावेल ने उनसे संन्यास से वापसी करके टीम का प्रतिनिधित्व करने का आग्रह किया था।

लीग चरण में बेहतर रैंकिंग वाली टीम के घरेलू मैदान पर होगा आईएसएल फाइनल

मुंबई, 23 अप्रेल। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) ने मंगलवार को कहा कि चार मई को होने वाला 2023-24 सत्र का फाइनल खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली दोनों टीम में से उस टीम के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा जो लीग चरण में बेहतर रैंकिंग वाली टीम थी। मोहन बागान ने 15 अप्रैल को मुंबई सिटी एफसी को रोमांचक मुकाबले में हराकर लीग शील्ड जीती जबकि एफसी गोवा की टीम तीसरे स्थान पर रही। अब कोलकाता, मुंबई और गोवा आईएसएल फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल की मेजबानी की दौड़ में हैं। स्थान की पुष्टि होने के बाद मैच के टिकटों की बिक्री शुरू की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा सीट से उम्मीदवार सुखबीर सिंह जौनापुरिया के समर्थन में उनियारा (टोंक) में जनसभा को संबोधित किया। मंच पर टोंक भाजपा अध्यक्ष अजीत सिंह मेहता ने मोदी का स्वागत करते हुये उन्हें हनुमान जी की गदा भेंट की। जनसभा में मोदी ने कहा, आरक्षण कभी खत्म नहीं होने दिया जायेगा और ना ही हिन्दुओं के अधिकार मुस्लिमों को बांटे जायेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने भी इस जनसभा को संबोधित किया।

'मोदी राज में आरक्षण खत्म नहीं होगा और ना ही धर्म के नाम पर देश को बंटने दिया जायेगा'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनियारा में चुनाव सभा को संबोधित किया

टोंक, 23 अप्रेल (निसं)। टोंक-सवाईमाधोपुर लोकसभा सीट के भाजपा प्रत्याशी सुखबिर सिंह जौनापुरिया के पक्ष में मंगलवार को टोंक के उनियारा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनसभा को सम्बोधित किया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर प्रहार कर कहा कि, कांग्रेस की सोच हमेशा तुष्टीकरण और भय की राजनीति की रही है। क्या कांग्रेस दलित व आदिवासियों के आरक्षण को कम करके मुस्लिम समुदाय को नहीं बांटेगी? यह सिर्फ मोदी ही गारन्टी दे सकता है कि, मोदी के शासन में आरक्षण खत्म नहीं होगा और ना ही धर्म के नाम पर देश को बांटने दिया जायेगा। कांग्रेस विकास के मुद्दे पर कभी भी चुनाव नहीं लड़ती है।

मोदी ने कहा कि, आपने हमारे भजनलाल को सेवा करने का मौका दिया। जब से भजनलाल और उनकी टीम काम पर लगी है माफिया, अपराधी

> ■ 'अपराधी जान लें, ये भजनलाल हैं। इनकी गाड़ी चलनी शुरू हुई है, टॉप गियर आना बाकी है।'

राजस्थान छोड़कर भागने को मजबूर हैं। पेपरलीक माफिया भी भजनलाल का डंडा पड़ने के बाद ठंडा पड़ गया है। अभी तो इन्हें तीन-चार महीने हुए हैं। अपराधी ये जान लें कि, ये भजनलाल हैं। इनकी गाड़ी अभी चलना शुरू हुई है और टॉप गियर में आना बाकी है।

चुनाव सभा में मोदी ने कहा कि, देश को मजबूत बनाये रखने के लिए स्थाई सरकार और सुरक्षित राष्ट्र जरूरी है। पिछले दस वर्षों में देश ने देखा है कि, एक स्थाई सरकार विकास के क्या-क्या काम कर सकती है। हमने राज्य में गेहूं का समर्थन मूल्य बढ़ाया, किसान निधि योजना के तहत किसान लाभान्वित हुए हैं, 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आये हैं। वर्ष 2014 व 2019 में राजस्थान ने भाजपा पर विश्वास करके राज्य की 25 की 25 सीटें भाजपा को दी हैं। यह एकता और भाजपा में विश्वास हमारी पूंजी है और आपका आशीर्वाद हैं। सुखबिर सिंह जौनापुरिया हमारे प्रत्याशी हैं, मैं इन्हे स्नेह से जौनापुरिया नहीं जानपुरिया कहता हूं, ये जहां भी जाते हैं, वहां जान भर देते है।

प्रधानमंत्री लगभग प्रात: 10 बजे सभा स्थल पहुंचे। मंच पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मेहता ने मोदी का स्वागत सम्मान करते हुए उन्हे हनुमान गदा भेट की। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी सभा को संबोधित किया। देहात मंडल अध्यक्ष देवली सांवरिया बैरागी, हरिओम वैष्णव अजमेर संभाग मिडिया समन्वयक, मुकेश जैमन मिडिया सदस्य, जगदीश गुर्जर, मण्डल अध्यक्ष शैलेन्द्र जैन, राजेश शर्मा, खैमराज मीणा, दीपक संगत, बीना जैन, अमित जैन, पुष्पेंद्र जैन ,सुनील जैन, पुष्पेंद्र जैन, राजवीर चौधरी, अंकित शर्मा, भाजपा सोशल मीडिया संभाग संयोजक जूली शर्मा, ममता शर्मा, नीलिमा आमेरा, आशा साहू, पूर्व प्रधान शकुंतला वर्मा, तारीक अजीज, विश्वजीत राठौर, स्नेहलता गौतम, संदीप, ओम पांडे सहित हजारों कार्यकर्ता एवं आम जन ने सभा में भाग लिया।

'कांग्रेस के राजस्थान के राजकुमार जालोर से चुनाव लड़ने आये हैं'

महंत बालक नाथ ने जालोर में कहा कि, उनकी अपने जोधपुर में दाल नहीं गली, वे अब यहां आये हैं, असल में ये दाल गलेगी कैसे, क्योंकि इनकी दाल ही काली है

जालोर, 23 अप्रैल। तिजारा विधायक महंत योगी बालकनाथ ने जालोर में सामाजिक संवाद कार्यक्रम में यहां से कांग्रेस उम्मीदवार वैभव गहलोत का नाम लिये बगैर कहा कि, जालोर से कांग्रेस के राजकुमार चुनाव लड़ रहे हैं, उनकी पिछली बार जोधपुर में दाल नहीं गली तो वे इस बार अपनी दाल गलाने जालोर आये हैं।

लोकसभा चुनावों को देखते हुए जालौर जिला मुख्यालय पर वीर वीरम देव चौक में भाजपा नगर मंडल जालोर की ओर से सामाजिक सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

तिजारा विधायक महंत योगी बालकनाथ ने पीर शांतिनाथ जी महाराज व वर वीरम देव के जय घोष

> ■ महंत बालकनाथ ने कहा कि, जालोर से कांग्रेस के राजकुमार चुनाव लड़ रहे हैं, कांग्रेस में सभी राजकुमार ही होते हैं, एक राजकुमार दिल्ली में है और एक राजस्थान में।

के साथ कहा कि, आपका एक वोट देश की दिशा व दशा तय करेगा। देश मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत की ओर अग्रसर है। हमें भ्रष्टाचारी माफियाओं को वोट नहीं देना है। कांग्रेस ने केवल और केवल जनता को बरगलाने का काम किया है।

उन्होंने कहा जालोर से कांग्रेस के राजकुमार चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस में सभी राजकुमार ही होते हैं। एक दिल्ली में और एक राजस्थान में राजकुमार हैं। जिनकी खुद के जोधपुर में पिछली साल दाल नही गली, क्योंकि इनकी दाल ही काली है। वे इस बार यहां आ गए, यहां भी दाल गलने मत देना।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की तुलना भगत सिंह, महात्मा गांधी व सुभाष चन्द्र बोस से की। उन्होंने कहा कि, ऐसे व्यक्ति जो लाल किले की प्राचीर से कहते हैं कि तुम मेरा साथ दो, मैं तुम्हे विकसित भारत दूंगा।

इसलिए यह चुनाव जाति-पाति का चुनाव नहीं, देश के लिए कुछ करने का चुनाव है।

विधायक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि, हम सबको आने वाली 26 तारीख को भाजपा प्रत्याशी लुंबाराम चौधरी के समर्थन में अधिकाधिक मतदान करना है साथ ही ऐसा कोई व्यक्ति रह न जाए जिसने वोट नहीं दिया हो हम सबको हर घर पहुंच कर प्रत्येक व्यक्ति का वोट दिलवाने के लिए कार्य करना है। यह मतदान हमें उत्सव के रूप में लेना है। जनसभा के दौरान कई वक्ताओं ने अपनी बात रखी।

कार्यक्रम के पश्चात वीर वीरमदेव सोनगरा की प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष दिलीप भट्ट ने किया।

बसपा पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेतागण भी उनके खिलाफ चुनाव प्रचार कर रहे हैं। दानिश अली ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि, वह पिछली बार की अपेक्षा इस बार वो 26 अप्रैल को होने वाले चुनावों में अमरोहा सीट से भारी मतों से चुनाव जीतेंगे।

चुनावी नारों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुद्दों पर आधारित रहे हैं। वर्ष 2019 में हुए गत लोकसभा चुनावों में भाजपा का नारा था "फिर एक बार, मोदी सरकार।" उससे पहले वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा इसी नारे पर केन्द्रित रही, "अच्छे दिन आने वाले हैं।" लेकिन कांग्रेस के नारे सामान्य से हटकर और प्राय: मुद्दा आधारित रहे हैं। उदाहरण के तौर पर वर्ष 2004 में कांग्रेस की चुनाव प्रचार मुहिम का नारा था "कांग्रेस का हाथ, आम आदमी के साथ।" उसके बाद वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में पार्टी का थीम स्लोगन था" आम आदमी के बढ़ते कदम, हर कदम पे भारत बुलन्द।"

वर्ष 1971 में इंदिरा गांधी "गरीबी हटाओ" का नारा लायी थीं। भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने वर्ष 1965 में नारा दिया था, "जय जवान जय किसान।" लेकिन वर्ष 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद जब कांग्रेस चुनाव प्रचार करने उतरी, तब उसका नारा लीक से हटकर था, "जब तक सूरज चाँद रहेगा, इंदिरा तेरा नाम रहेगा।" पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली भाजपा के गठबंधन, एन.डी.ए. ने वर्ष 2004 का लोकसभा चुनाव "इण्डिया शाइनिंग" जैसे मार्केटिंग स्लोगन के साथ लड़ा था, जबकि वर्ष 1996 में भाजपा का लोकप्रिय नारा था, "बारी-बारी सबकी बारी, अबकी बारी अटल बिहारी।" एक अन्य आकर्षक नारा वर्ष 1989 में तब आया था, जब वी.पी. सिंह ने राजीव गांधी को चुनौती दी थी और प्रधानमंत्री बनने में सफल रहे थे।

स्तब्ध हैं तृणमूल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गए पैसों के कारण पैदा हुई इस परिस्थिति का कोई हल नहीं है। एक और संभावित बम धमाका है। सरकार ने नियुक्ति प्रक्रिया का निरीक्षण करने के लिए शिक्षा विभाग में सामान्य से अधिक पद सृजित किए थे। इन्हें भी अब वसूली के धंधे को चलाने के काम में लगाया गया है। कोर्ट ने मुख्य आदेश के साथ, इन जरूरत से अधिक पदों की उत्पत्ति की जांच का आदेश भी दिया है। कोर्ट ने यह भी जानना चाहा है कि, इन नियुक्तियों को मंजूरी किसने दी थी। इस प्रक्रिया में राज्य मंत्रिमण्डल शामिल है और जांच-पड़ताल के दौरान मु.मंत्री और मंत्रिमण्डल के मंत्रियों से पूछताछ भी अवश्य की जाएगी। ये सब इसलिए क्योंकि, टी.एम.सी के नेता, अपने आरामदायक अधिकारिक स्थानों से जबरन वसूली रैकेट चलाते थे। भ्रष्टाचार और चोरी-छिपे धन कमाना, न केवल समाज पर एक आर्थिक लागत थोपता है, बल्कि सामाजिक जीवन के नैतिक ताना-बाना और शालीनता की भावना को भी नुकसान पहुंचाता है। ममता बनर्जी के 11 वर्षों के शासन में बिल्कुल ऐसा ही हुआ है। बंगाल, हर क्षेत्र में व्यापक स्तर पर पतन का साक्षी रहा है और मध्यम वर्ग, अब यह बात समझ पा रहा है कि, विगत दशक में क्या हुआ था।

'आंध्र से 42 सांसद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उक्त दोनों को ही पिछले चार-पांच सालों से साइडलाइन किया गया है।

रैवन्त रेड्डी से चाहे भारी या जटिल प्रश्न पूछा जाए, वह प्रत्येक प्रश्न का उत्तर बड़ी मजबूती के साथ देते हैं और तथ्यों के साथ प्रहार करते हैं। पिछले दो दशकों तक विपक्ष का नेता रहने और जमीनी राजनीति से जुड़े रहने के कारण उनका आत्मविश्वास झलकता है। एक थीम, जिसका प्रयोग रेड्डी भाजपा पर प्रहार करने के लिए करते हैं, वह है, दक्षिण भारत के साथ भेदभाव।

तेलंगाना मुख्यमंत्री ने कहा, "मैं तेलंगाना में कांग्रेस को 17 में से 14 सीटें जिताऊँगा।" उन्होंने आगे कहा कि, भाजपा को अपनी सीटें बचाने में मुश्किल होगी। पिछली बार, भाजपा ने चार सीटें जीती थीं जिसमें केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी की सीट शामिल है। सिकंदराबाद चुनाव क्षेत्र में जमीनी रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

रैवंत रेड्डी भविष्यवाणी करते हैं दक्षिण भारत, जहां 130 सीटें हैं, वहाँ भाजपा 20 से भी कम सीटों पर जीत हासिल करेगी। इसका मतलब होगा कि, तेलंगाना और कर्नाटक में भाजपा पिछली बार से कम सीटें जीतेगी। वर्ष 2019 चुनावों में कर्नाटक में भाजपा ने 28 में से 26 सीटें जीती थीं और इस बार कांग्रेस उसे कड़ी टक्कर दे रही है। स्थानीय जनमत सर्वेक्षण दोनों राष्ट्रीय पार्टियों को आधी-आधी सीटें मिलने की भविष्यवाणी कर रहे हैं लेकिन इडीना सर्वे, जिसने विधानसभा चुनावों में सटीक भविष्यवाणी की थी, ने कांग्रेस की, 28 में से 18 सीटें जीतने की संभावना की घोषणा की है। इसका मतलब केवल कर्नाटक से ही भाजपा को 17 सीटों की हानि होगी। रेवंत रेड्डी ने कहा, भाजपा सत्ता में वापस नहीं आएगी। और अंत में उन्होंने जो कहा उसे सुनकर भक्तों को हार्ट अटैक हो जाएगा। रेड्डी ने कहा, "चुनावों के बाद दक्षिण भारत से एक सांसद प्रधानमंत्री बनेगा।"

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600